संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 40
पृष्ठ 8
मंगलवार
28 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रात भर मुंह में रखकर सोएं तुलसी...

विचार- बढ़ता ई-कचरा अदृश्य सुनामी

खेल- श्रेयस अय्यर सिडनी के अस्पताल में...

मुस्तफाबाद का नाम बदलकर किया जाएगा कबीरधाम

लखीमपुर में सीएम योगी ने किया एलान

- जात-पात देश की गुलामी का कारण रहा- योगी
- आज भी समाज को बांटने को हो रही साजिश

लखीमपुर खीरी, संवाददाता। संत क्षमा देव और गुरमन देव के स्मृति जन्मोत्सव मेले में सोमवार को लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद स्थित कबीरधाम पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब वह यहां आए तो गांव का नाम मुस्तफाबाद होने के बारे में जानकारी ली। पता चला कि यहां मुस्लिम आबादी एक भी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस गांव का नाम कबीरधाम होना चाहिए। इसके लिए प्रस्ताव मांगा गया है। जल्द ही मुस्तफाबाद का नाम बदलकर कबीरधाम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जो भाजपा की सरकार राष्ट्र हित के भाव से काम कर रही है, वैसे भाव 2014 से पहले नहीं थे। तब हिंदू आस्था पर प्रहार करने व देश के खजाने को लूटने का काम होता था। योगी ने कहा कि भाजपा सरकार में अयोध्या और काशी के साथ ही धार्मिक आस्था वाले स्थलों के लिए धन खर्च किया। पहले यह पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल बनाने में जाता था। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक आस्था पर चोट करने के लिए अयोध्या का नाम बदलकर फैजाबाद और प्रयागराज का नाम बदलकर इलाहाबाद किया गया था। हमारी सरकार आई तो अयोध्या और प्रयागराज को उसका पुराना गौरवशाली इतिहास वापस मिला। इसी तरह से अब मुस्तफाबाद भी कबीरधाम के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री ने कबीरधाम से जात-पात पर भी प्रहार किया। यहां से समाज को एकजुटता का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कबीरदास ने जातीयता पर प्रहार किया। जाति की विसंगितयों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा था कि जात-पात पूछे ना कोई, हरि को भजे सो हरि का होइ। मुख्यमंत्री ने कहा कि जात-पात देश की गुलामी का कारण रहा था। जाति के नाम पर समाज का विभाजन हुआ था। इस विभाजन से उबारने के लिए उस समय गुरु रामानंद, कबीरदास, रविदास समेत अनेक संतों ने समाज को नई दिशा दी। उनकी वाणी आज भी उतनी ही प्रासांगिक है, जितना उस समय थी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज भी समाज की आस्था पर प्रहार हो रहे हैं। जातीय आधार पर विभाजित करने की साजिश हो रही है। कुछ न कुछ ऐसी टिप्पणी होती हैं, जो भारत और भारतीयता को अपमानित करती हैं। उन्होंने कहा कि हम सबको अपनी कमियों को दूर करना चाहिए। बीमारी है तो समय रहते उसका उपचार जरूरी है। समाज में जो विसंगतियां और बुराइयां हैं। उनको संतों के माध्यम से दूर करना है। उस मार्ग पर अनुसरण करना है, जिससे हम सन्मार्ग पर चलकर लोक और राष्ट्र कल्याण के लिए समर्पित हो सकें।

'डिजिटल अरेस्ट' नागरिकों के लिए सबसे खतरनाक खतरों में से एक : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि तकनीक ने पुलिसिंग के क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला दिया है और श्डिजिटल गिरफ्तारीश नागरिकों के लिए सबसे भयावह खतरों में से एक बन गई है। राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि लोगों, खासकर वंचित वर्ग को पुलिस को एक भयावह संस्था के रूप में नहीं, बल्कि एक सहारे के स्रोत के रूप में देखना चाहिए। राष्ट्रपति ने इस दौरान कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और हमें अपनी आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने और तेज करने के लिए लगातार बढ़ते सार्वजनिक और निजी निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, श्किसी भी राज्य या क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए कानून-व्यवस्था एक आवश्यक पूर्व शर्त है। निवेश और विकास को बढ़ावा देने में प्रभावी पुलिसिंग उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि आर्थिक प्रोत्साहन।श राष्ट्रपति ने कहा कि आईपीएस परिवीक्षाधीन अधिकारियों जैसे युवा अधिकारियों के नेतृत्व में भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल श्विकसित भारतश के निर्माण में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, श्धोखेबाज कानून प्रवर्तन अधिकारियों का रूप धारण करते हैं, गिरफ्तारी और बैंक खातों को फ्रीज करने जैसी धमकियों का इस्तेमाल करके पीड़ितों को कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए जुर्माना या जमानत राशि के रूप में पैसे देने के लिए मजबूर करते हैं। ये धोखेबाज कानून प्रवर्तन अधिकारी बनकर वीडियो कॉल का इस्तेमाल करते हैं और पीड़ितों को निशाना बनाते हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ता उपयोगकर्ता आधार है।

सीजेआई पर जूता उछालने वाले वकील के खिलाफ नहीं होगी अवमानना की कार्रवाई, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मन नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने सोमवार को कहा कि वे मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई पर जूता उछालने की कोशिश करने वाले वकील के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई करने के इच्छुक नहीं हैं। पीठ ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश खुद ही आरोपी वकील के खिलाफ कार्रवाई करने से इनकार कर चुके हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि श्अदालत में नारेबाजी करने और जूता उछालना यकीनन अदालत की अवमानना है, लेकिन ये संबंधित न्यायाधीश पर निर्भर करता है कि वे कानून के तहत कार्रवाई करते हैं या नहीं। पीठ ने कहा कि श्अवमानना का नोटिस जारी करने से उस वकील को चर्चा ही मिलेगी, जिसने मुख्य न्यायाधीश की तरफ जूता उछाला। इससे घटना को बेवजह का तूल मिलेगा। पीठ ने कहा कि इस घटना को अपने आप ही खत्म होने देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई के दौरान पीठ ने यह टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने आरोपी वकील राकेश किशोर के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। सर्वोच्च अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए अदालत दिशा-निर्देश जारी करेगी। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से विभिन्न अदालतों में जूता उछालने की घटनाओं का की जानकारी देने को कहा है। इससे पहले 16 अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी, दूसरों की गरिमा और सत्यनिष्ठा की कीमत पर नहीं दी जा सकतीं। पीठ ने बेलगाम सोशल मीडिया के खतरे को लेकर भी आगाह किया और कहा कि इस तरह की घटनाएं पैसा कमाने के धंधे से ज्यादा कुछ नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई पर जूता उछालने वाली घटना को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने और घटना का महिमामंडन करने के संबंध में भी विचार करने के बाद दिशा-निर्देश जारी करने की बात कही है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई पर जूता उछालने की घटना 6 अक्तूबर को हुई थी। यह घटना उस वक्त हुई, जब सीजेआई एक मामले पर सुनवाई कर रहे थे।

महाराष्ट्र में भाजपा बैसाखियों पर नहीं, बल्कि अपने बल पर चलती है : अमित शाह

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा को बैसाखियों की जरूरत नहीं है और वह अपने बल पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्ष का सफाया सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि जनसंघ की स्थापना के बाद से हमने हमेशा संगठन की अवधारणा के आधार पर अपनी पार्टी के कामकाज को स्वीकार किया है। हमने हमेशा सिद्धांतों के आधार पर अपनी नीतियां बनाई हैं। हमने देश और इसके लोगों के सर्वोत्तम हित में सबसे कठिन लड़ाई लड़ी है। दक्षिण मुंबई में चर्चगेट स्टेशन के पास महाराष्ट्र भाजपा के नए कार्यालय भवन की आधारशिला रखने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, हमने साबित कर दिया है कि परिवार द्वारा संचालित पार्टियों की राजनीति अब इस देश में नहीं चलेगी। काम की राजनीति ही देश को आगे ले जाएगी। मोदी जी इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं। एक साधारण चायवाले के घर में जन्मा एक बच्चा अपने समर्पण, त्याग और कड़ी मेहनत से भारत का प्रधानमंत्री बना। अमित शाह ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा बैसाखियों पर नहीं, बल्कि अपने बल पर चलती है। केंद्र और राज्य में भाजपा की श्डबल इंजनश सरकार का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि पार्टी को इस साल के अंत में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव भी जीतने चाहिए। इतनी मेहनत करो कि विपक्ष का सफाया हो जाए। वे दूरबीन से भी नजर न आएं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि जो पार्टी अपने कामकाज में लोकतंत्र को कायम नहीं रख सकती, वह देश के लोकतंत्र की रक्षा कभी नहीं कर सकती। यह सभी वंशवादी पार्टियों के लिए एक कड़ा संदेश है। शाह ने कहा कि भाजपा के लिए पार्टी कार्यालय एक मंदिर की तरह है। उन्होंने कहा, यहीं से पार्टी के कार्यक्रमों और नीतियों की कल्पना की जाती है और यह पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक व्यावहारिक प्रशिक्षण स्थल है। शाह ने कहा कि जनसंघ के दिनों से ही विचारधारा से प्रेरित राजनीति और जन कल्याण भाजपा की पहचान रही है। 1980 में जब भाजपा का गठन हुआ था, तब से 18 वर्षों तक देश का नेतृत्व भाजपा नेताओं ने किया है और यह गर्व की बात है। शाह ने पार्टी की सफलता का श्रेय नेताओं और कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत, त्याग और प्रतिबद्धता को दिया। उन्होंने कहा, उनके द्वारा बोए गए बीजों की वजह से ही भाजपा एक वटवृक्ष बन पाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक सिद्धांतों

क्या आपके अधिकारी अखबार नहीं पढ़ते? आवारा कुत्तों के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को किया तलब

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल, दिल्ली और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को आवारा कुत्तों से संबंधित मामले में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने में विफल रहने पर अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। अदालत ने चेतावनी दी कि अगर अधिकारी अगली सुनवाई की तारीख, 3 नवंबर को पेश नहीं हुए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने उन राज्यों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की जिन्होंने पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 के कार्यान्वयन पर हलफनामा प्रस्तुत नहीं किया है। अब तक केवल पश्चिम बंगाल, दिल्ली और तेलंगाना ने ही इसका अनुपालन किया है। पीठ ने कहा कि अधिकारियों को मीडिया कवरेज के माध्यम से मामले की जानकारी होनी चाहिए थी। पीठ ने कहा क्या अधिकारियों ने अखबार या सोशल मीडिया नहीं पढ़ा? क्या उन्होंने नहीं पढ़ा, अगर उन्हें सूचना नहीं दी गई तो भी उन्हें यहाँ होना चाहिए था।

केरल में चक्रवाती संकट गहराया! 2 लोगों की मौत, बाढ़ जैसे हालात

5 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

केरल, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात के आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ने के साथ, अगले दो दिनों में केरल में बारिश की गतिविधियों में तेज़ी आने की उम्मीद है। चक्रवात के मंगलवार (28 अक्टूबर, 2025) शाम तक आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच पहुँचने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा सोमवार (27 अक्टूबर, 2025) को जारी मौसम बुलेटिन के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व और बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में बना गहरा दबाव रविवार रात को चक्रवाती तूफान मोन्था में बदल गया, जो चेन्नई से लगभग 640 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) से 710 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, पोर्ट ब्लेयर (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) से 740 किलोमीटर पश्चिम, विशाखापत्तनम से 740 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और गोपालपुर (ओडिशा) से 860 किलोमीटर दक्षिण में है। केरल के कई जिलों में सोमवार को तेज हवाएं चलने के साथ भारी बारिश हुई जिससे निचले इलाकों में जलभराव हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अलप्पुझा जिले में तेज हवाओं के कारण अर्थुनकल तट के पास एक मछुआरे की नाव पलट जाने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम पॉल देवासिया है जो अर्थुनकल का निवासी था। पुलिस ने बताया कि वह सुबह-सुबह मछली पकड़ने गया था। हालांकि अन्य मछुआरों ने उसे बचाकर पानी से बाहर निकाल लिया था लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। इस बीच, अंगमाली के निकट मुकन्नूर में आकाशीय बिजली गिरने से पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पहचान कोखन मिस्त्री (45) के रूप में की है, जो एक कारखाने में काम करता था। उसने बताया कि मिस्त्री की सुबह करीब 8.15 बजे मुकन्नूर स्थित उनके किराए के घर पर बिजली गिरने से मौत हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कोझिकोड, कासरगोड कोट्टायम, पथनमथिट्टा और कन्नूर जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है और 24 घंटों के भीतर 115.6 मिमी से 204 मिमी बारिश होने की संभावना जताई है।

अनुसंधान और विकास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता कोई भी देश

रक्षा विनिर्माताओं से बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भारतीय रक्षा विनिर्माता सोसायटी (एसआईडीएम) के वार्षिक सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, यह सच्चाई है कि कोई भी देश अनुसंधान और विकास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। चाहे अमेरिका हो, चीन हो या दक्षिण कोरिया..जो भी देश आगे गए हैं, वो अनुसंधान और विकास की वजह से ही गए हैं। उन्होंने आगे कहा, सीखने के लिए तो हमें कहीं से भी किसी से भी सीखना चाहिए। हम तो श्आनो भद्रा क्रतवो यन्तु विश्वतरूश की सोच को मानने वाले लोग हैं। दुनिया में अगर कहीं भी अच्छा अभ्यास हो रहा है, तो उसको अपनाने में हमें पीछे नहीं रहना

चाहिए। जैसा कि मैने कहा है कि सरकार का काम एक लेवल प्लेइंग फील्ड (समान अवसर प्रदान करना) देना है और आपको लेवल प्लेइंग फील्ड मिल रही है। लेकिन खेलना तो आप लोगों को ही है। खेल का अभ्यास भी करते रहिए। मैं चाहता हूं आप ऐसा खेलें कि पूरी दुनिया दर्शक बनकर आपकी ओर देखें। राजनाथ सिंह ने कहा, हाल ही में पहलगाम हमले के बाद जिस तरह हमने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। उसके बाद स्थितियां कुछ ऐसी बनीं थी कि युद्ध हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा था। हालांकि, हमारी सेनाएं किसी भी स्थिति में अपनी सीमाओं की रक्षा करने में पूरी तरह तैयार थीं। लेकिन मैं बस यह कहना चाहता हूं कि दुनिया में शांति और कानून-व्यवस्था में अनिश्चितता तो बढ़ ही गई है। इसलिए उस अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए हमें हर डोमेन का सावधानी से विश्लेषण करते हुए अपने कदम उठाने होंगे। आज रक्षा और युद्ध क्षेत्र में जो परिवर्तन हो रहे हैं, उनसे केवल स्वदेशीकरण के माध्यम से ही निपटा जा सकता है।

उन्होंने आगे कहा, यह भी मैं कहना चाहूंगा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार मैं आप सबके बीच आया हूं। तो उससे संबंधित कुछ बातें भी मैं आपके सामने रखना चाहूंगा। सबसे पहले मैं हमारी सेनाओं के साथ-साथ आप सभी औद्योगिकी योद्धाओं को भी हार्दिक बधाई देता हूं।

एसआईआर के दूसरे चरण का एलान

उत्तर प्रदेश, बंगाल, उत्तराखंड समेत 12 राज्यों के 51 करोड़ वोटरों का पुनरीक्षण होगा

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर का फेज-1 खत्म हो गया है, अब इसका दूसरा चरण शुरू होगा। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण सफल तरीके से किया गया है। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने आगे कहा कि बिहार के लोगों ने एसआईआर पर भरोसा जताया है। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे फेज में देश के 12 राज्यों में यह अभियान चलाया जाएगा।

दूसरे चरण के एसआईआर के प्रक्रिया की प्रमुख तारीखें

मुद्रण/प्रशिक्षण – 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025

घर-घर गणना चरण – 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025

ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन – 9 दिसंबर 2025

दावे और आपत्ति अवधि – 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026

सूचना चरण (सुनवाई और सत्यापन) – 9 दिसंबर 2025 से 31 जनवरी 2026

अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन – 7 फरवरी 2026

इन 12 राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों में होगा एसआईआर

पूरे देश में एसआईआर चरणबद्ध तरीके से होगा। जिन 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश में एसआईआर किया जाना है। इसमें अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुद्दुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इन राज्यों में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 51 करोड़ हैं, जबकि यहां 5 लाख 33 हजार से ज्यादा पोलिंग स्टेशन और बीएलओ तैनात किए जाएंगे।

इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि देश में 21 साल पहले आखिरी विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया था। उन्होंने साफ किया कि एसआईआर में सभी योग्य मतदाताओं को जोड़ा जाएगा और अयोग्य मतदाताओं को वोटर लिस्ट से बाहर किया जाएगा।

अजगर ने नीलगाय के बच्चे को निगला, वन विभाग की टीम ने पकड़कर जंगल में छोड़ा

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोपालपुर गांव के समीप नाले के पास धान के खेत में रविवार सुबह एक अजगर नीलगाय के बच्चे को निगल गया। गांव के लोग धान के खेत में पहुंचे तो देखा कि अजगर नीलगाय के बच्चे को आधा निगला चुका था। उतरांव थाना क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोपालपुर गांव के समीप नाले के पास धान के खेत में रविवार सुबह एक अजगर नीलगाय के बच्चे को निगल गया। गांव के लोग धान के खेत में पहुंचे तो देखा कि अजगर नीलगाय के बच्चे को आधा निगला चुका था।

गांव के लोग इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने 112 नंबर पर सूचना दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर अजगर को पकड़कर कब्जे में ले लिया। वन विभाग के अल्पेश कुमार, सुरेश कुमार, मनोज कुमार ने बताया कि यह अजगर काफी विशाल और बड़ा है। यह नीलगाय के बच्चे को निगल गया। नीलगाय के बच्चे की मौत हो गई। टीम ने बताया कि अजगर को दूर जंगल में छोड़ दिया जाएगा। गांव के लाइमैन महेंद्र कुमार यादव ने बताया कि यह अजगर धान के खेत में कई दिनों से दिखाई दे रहा था। इस वजह से वह लोग खेत की तरफ जाना छोड़ दिया था।

दुष्कर्म का आरोपी इंटर कॉलेज प्रबंधक का बेटा गिरफ्तार, कोर्ट में पेश कर भेजा गया जेल

प्रयागराज। उतरांव थाने की पुलिस ने शनिवार को दुष्कर्म के एक मामले में वांछित आरोपी इंटर कॉलेज प्रबंधक के बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी पर मध्य प्रदेश की एक छात्रा ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। उतरांव थाने की पुलिस ने शनिवार को दुष्कर्म के एक मामले में वांछित आरोपी इंटर कॉलेज प्रबंधक के बेटे को गिरफ्तार कर

जेल भेज दिया। आरोपी पर मध्य प्रदेश की एक छात्रा ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। छात्रा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह मध्य प्रदेश की रहने वाली है और प्रयागराज में रहकर पढ़ाई कर रही है। करीब तीन वर्ष पहले उसकी मुलाकात सरायइनायत स्थित एक कॉलेज में उतरांव थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी अर्पित पाल से हुई थी। इस दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई और आरोपी ने उससे शादी का वादा किया। आरोप है कि इसी बहाने उसने कॉलेज में ले जाकर कई बार उससे दुष्कर्म किया। जब छात्रा ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी ने इन्कार कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर 24 अक्तूबर को उतरांव थाने में अर्पित पाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने शनिवार को आरोपी को उतरांव क्षेत्र के इनायतपट्टी नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी प्रीतम कुमार तिवारी ने बताया कि पीड़ित छात्रा की तहरीर पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। शनिवार को उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

ग्राम पंचायत सचिव से 32.40 लाख की रिकवरी का आदेश रद्द, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत किया उल्लंघन

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम पंचायत अधिकारी आनंद कुमार सोनी के खिलाफ ललितपुर के मुख्य विकास अधिकारी की ओर से पारित 32 लाख 40 हजार रुपये की वसूली के आदेश को रद्द कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम पंचायत अधिकारी आनंद कुमार सोनी के खिलाफ ललितपुर के मुख्य विकास अधिकारी की ओर से पारित 32 लाख 40 हजार रुपये की वसूली के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि आदेश पारित करते समय प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन किया गया है। यह आदेश न्यायमूर्ति विकास बुधवार की एकल पीठ ने आनंद कुमार सोनी की याचिका पर दिया। याचिकाकर्ता को 2017 में ग्राम पंचायत अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। कुछ कथित चूक के कारण याचिकाकर्ता को दो बार कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। 20 फरवरी 2025 को उन्हें निलंबित कर दिया गया था जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। कोर्ट ने सात मार्च 2025 को अंतरिम आदेश से बहाल कर दिया। वहीं, चार सितंबर 2025 को मुख्य विकास अधिकारी ने अवैध रूप से 36 घरों के आवंटन से संबंधित एक जांच रिपोर्ट के आधार पर विकास खंड बिरधा के महोली ग्राम पंचायत सचिव से 32 लाख 40 हजार रुपये की वसूली का आदेश पारित किया। इस रिकवरी आदेश को याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विभु राय ने दलील दी कि वसूली आदेश पारित करने से पहले याची को न तो कोई नोटिस दिया गया और न ही उनकी सुनवाई हुई।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद पाया कि वसूली का आदेश तीन जून 2025 की जांच रिपोर्ट पर आधारित था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद याचिकाकर्ता को नोटिस दिया जाना चाहिए था। नोटिस न दिए जाने को कोर्ट ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन माना और रिकवरी आदेश को रद्द कर दिया। मुख्य विकास अधिकारी को प्राकृतिक न्याय का अनुपालन करने के बाद कानून के अनुसार एक नया आदेश पारित करने का निर्देश दिया गया है।

अतीक-अशरफ का हाल याद रखें उनके गुर्गे: सिद्धार्थनाथ सिंह

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र में रोडवेज के संविदा बस चालक रावेंद्र पासी की हत्या के बाद पूर्व मंत्री व शहर पश्चिमी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने रविवार को उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने शोक जताते हुए कहा कि योगी सरकार ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

धूमनगंज थाना क्षेत्र में रोडवेज के संविदा बस चालक रावेंद्र पासी की हत्या के बाद पूर्व मंत्री व शहर पश्चिमी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने रविवार को उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने शोक जताते हुए कहा कि योगी सरकार ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अतीक के गुर्गों के सक्रिय होने के सवाल पर उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अतीक-अशरफ का जो हाल हुआ था, वह उनके गुर्गे याद रखें। कहा कि 21 अक्तूबर को मुंडेरा चुंगी में जब रोडवेज के संविदा बस चालक रावेंद्र पासी उर्फ मुन्नू की हत्या हुई तो वह बिहार में थे।

असिंचित गांवों के किसान भगवान भरोसे

प्रयागराज। शंकरगढ़ विकासखंड शंकरगढ़ क्षेत्र के किसानों की दशा बेहद दयनीय है। यहां कई गांव अब भी असंचित हैं, जहां किसानों को खेती–बारी के लिए पूरी तरह से भगवान के पानी पर निर्भर रहना पड़ता है। बरसात की थोड़ी बहुत फसल छोड़ दें तो रबी की बोआई और गर्मी की खेती पूरी तरह चौपट हो जाती है। जिनके पास निजी नलकूप हैं, वही किसी तरह अपने खेतों में पानी पहुंचा पाते हैं, लेकिन पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण गर्मियों में ट्यूबवेल का पानी भी सूख जाता है। जिसकी वजह से खेत तो दूर पानी के लिए भी दर–दर की ठोकरे खानी पड़ती हैं।

इस बीच इंसान तो दूर जानवरों को भी पानी सही तरीके से नहीं मिल पाता। इस समस्या पर अगर प्रशासन के साथ–साथ सरकार भी समस्या का पर अमल करें तो कहीं ना कहीं इस समस्या से निजात मिल सकती है परंतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को जमीनी स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। शंकरगढ़ का इलाका पहाड़ी है और बरसात भी अपेक्षाकृत कम होती है। गर्मी आते–आते भूमिगत जलस्तर नीचे खिसक जाता है। नतीजा यह कि निजी नलकूप वाले किसान भी खेतों में सिंचाई नहीं कर पाते। कई गांवों में तो ऐसी स्थिति है कि किसान अपनी जमीन में बीज भी नहीं डाल पाते। विकासखंड शंकरगढ़ के मिश्रापूर्वा, शिवराजपुर, कपारी, बेनीपुर, बडगड़ी,जनवा, बिहरिया, टकटई, गाढ़ा कटरा, रमना,लखनपुर,बघला आदि ऐसे कई गांव है जहां पर किसान अपना कृषि छोड़कर अवैध खनन करने पर मजबूर रहते हैं क्योंकि दो रोटी कमाने के लिए एवं अपने बच्चों का पालन पोषण करने के लिए कुछ ना कुछ कार्य करना जरूरी है। अगर इन असिंचित क्षेत्रों में सिंचित कर दिया जाय तो किसान अपने जमीनों पर फसल उगा सकते हैं जिससे उनका जीवन यापन चल सकता है। सरकार की उदासीनता कहें यह विभाग की लापरवाही यह जांच का विषय है कि आखिर इतना सर्वे इतनी व्यवस्था होने के बावजूद भी इस कार्य को प्रगति अभी तक क्यों नहीं हो पा रही है। गर्मियों में नारीबारी और शंकरगढ़ में होती है दिक्कत यमुना के किनारे बसे होने के बावजूद किसान पानी से वंचित हैं। गर्मियों में यमुना का जलस्तर घटने लगता है। पंपिंग मशीनें नदी से नहरों या नलकूपों तक पानी खींचने के लिए लगी हैं, वे जर्जर हालत में हैं। टेल तक पानी पहुंचाना तो दूर, खेत के किनारे तक भी पानी नहीं पहुंच पाता। मशीनें पुराने जमाने की हैं, जिनकी मरम्मत पर ध्यान तक नहीं दिया जाता। जानकारी लेने पर पता चला कि यमुना से पानी उठाकर बघला नहर प्रखंड द्वारा प्रथम स्टेज में पडुवा पंप हाउस से 540 क्यूसेक लगभग 23 किलोमीटर नहर तथा बघला नहर प्रखंड से चामू असरवई में गौरा लोहरा नारीबारी से आ रही है। टोंस नहर प्रखंड को 150 से 170 क्यूसेक पानी देता है तथा भोड़ी पंप हाउस सेकंड स्टेज में 180 क्यूसेक लगभग 27 किमी नहर सहित 26 माइनरों में पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा के अथक प्रयास से 1972 में पानी देने की आधारशिला रखी गई। 1982 से यमुना का पानी किसानों के खेतों में शुरू हुआ था। उस समय शंकरगढ़ इलाके में सिर्फ 60: गांव में ही सिंचाई का साधन बनाया गया था। परंतु आज भी 40: गांव में सिचाई के साधन के लिए नहर नहीं बन पाई थी। पिछले 10 वर्षों में पंप द्वारा पानी छोड़ने की क्षमता लगातर कम होती जा रही है। अभी पडुवा पंप से लगभग 410 से 430 क्यूसेक पानी तथा भोंडी पंप हाउस से लगभग 100 से 110 क्यूसेक पानी लिफ्ट ही हो पा रहा है। जिस वजह से नारीबारी के इलाके में किसानों के खेतों तक समय से पानी नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण किसानों को समस्या का सामना करना पड़ता है। चित्रकूट मार्ग के मिश्रा का पूर्वा. कापरी. शिवराजपुर. शंकरगढ़ पर लगभग 40: ऐसे गांव हैं जो सिंचाई से वंचित हैं। पता चला कि प्रतिवर्ष बघला नहर प्रखंड द्वारा रोस्टर सिस्टम के बावजूद नारीबारी, बराडीह, लोहरा आदि इलाकों में नियमित पानी किसानों को नहीं दे पा रहा है। करोड़ों की स्वीकृति, फिर भी अधर में योजना ग्रामीणों ने बताया कि सिंचाई व्यवस्था सुधारने के लिए सरकार ने करोड़ों रुपये की स्वीकृति भी दी थी लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते योजना आज भी अधर में लटकी हुई है। पिछले साल

लिफ्ट विभाग ने नौ करोड़ रुपये शासन को वापस कर दिए। किसान आरोप लगाते हैं कि अधिकारी कागजों पर तो काम दिखाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कोई सुधार नहीं हुआ। हल्के–फुल्के काम दिखाकर फाइलें बंद कर दी जाती हैं। गांव–गांव जन चौपाल से उठ रही आवाज अपनी समस्या को जन–जन तक पहुंचाने के लिए क्षेत्र के समाजसेवी दिनेश तिवारी व अन्य ग्रामीण गांव–गांव जाकर जन चौपाल कर रहे हैं। इन चौपालों में किसान एकजुट होकर अपनी पीड़ा सुनाते हैं और समाधान की रणनीति तय करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक नहर का पानी नहीं पहुंचेगा, खेती–किसानी का भविष्य उज्ज्वल नहीं हो सकता। बल्कि नई नारीबारी क्षेत्र के किसानों ने सरकार से अपील की है कि टोंस नहर प्रखंड में स्थित ग्राम सीधटिकट पर एक लिफ्ट लगाकर 50 क्यूसेक पानी जूही के पास बघला नहर प्रखंड से जोड़ दिया जाए तो नारी–बारी क्षेत्र में किसानों को समय से पानी भरपूर मिलने लगेगा बाघला नहर प्रखंड जो नारीबारी क्षेत्र में 50 क्यूसेक पानी देता है वही अपनी शंकरगढ़ क्षेत्र के 40: असिंचित कृषि योग्य भूमि में सिंचाई हो जाएगी साथ ही तहसील बारा के नारीबारी देवरा इलाके में सिंचाई की समस्या का समाधान भी हो जाएगा जो किसानों के लिए वरदान साबित होगा। बारा विधानसभा क्षेत्र में नहर सिंचाई की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा के कार्यकाल में हुई थी। उसके बाद इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने भी इस योजना को आगे बढ़ाने की कोशिश की थी, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। आंदोलन करने की तैयारी में किसान ग्रामीणों ने शासन–प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सिंचाई व्यवस्था सुनिश्चित नहीं हुई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। किसानों का कहना है कि पानी के बिना खेती असंभव है और खेती के बिना किसान का जीवन ही अधूरा। क्योंकि देश के लिए कोई मरता है तो वह सिर्फ किसान और सेना होती है सेना बॉर्डर पर हम लोगों की रक्षा करती है और किसान सबका पेट भरता है किसान देश का अन्न दाता हैं जब किसान ही नहीं रहेगा तो देश में इंसान का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। जल संरक्षण में सबसे बड़ी बाधा विकास खंड शंकरगढ़ के अंतर्गत 40 प्रतिशत पहाड़ी व पथरीला इलाकों में सिंचाई का साधन न होने से किसान कृषि योग्य भूमि परती छोड़ने पर मजबूर है। कई ग्राम सभाओं में सिंचाई विभाग की बंधियाँ बनी हुई है। इन बंधियों में पूर्ण क्षमता से जल संचयन नहीं हो पा रहा है।बंधियों के अंदर की भूमि किसानों का अधिकार है जिस वजह से सिंचाई विभाग बेबस है जिसके फलस्वरूप बंधियों के अंदर पानी न बचने के कारण गर्मियों के दिनों पानी का जलस्तर प्रतिवर्ष नीचे गिरता जा रहा है। पशु पक्षियों तथा मानव के लिए पानी मिलना मुश्किल हो जाता हैं,पशु पक्षी पलायन करने पर मजबूर हैं।असिंचित इलाकों में पानी की व्यवस्था टैंकर से हर वर्ष होती है।सिंचाई विभाग द्वारा इन गांव में सिंचाई परियोजना बनाने का कार्य नहीं किया गया। न ही जल संरक्षण की दिशा में कोई बड़ा कदम बढ़ाया गया।सिंचाई विभाग द्वारा सिंचाई हेतु परियोजना निर्माण के लिए विगत माह में सर्वे कराया गया। जिससे कृषि योग्य भूमि को सिंचित कराया जा सकें। इसमें विभाग द्वारा पानी को बिना खराब किये पाइपों के माध्यम से बंधियों को जोड़कर पूरे वर्ष भर पानी की उपलब्धता कराने योजना थी। सर्वे के दौरान एक तथ्य प्रकाश में आया कि बांध की भूमि सिंचाई विभाग का है परन्तु अंदर डूब क्षेत्र और भूमि कृषक का है। जिस वजह से बंधियों में पानी ही नहीं बचता है। रवी की फसल में और गर्मियों के दिनों में जल नदारद हैं तहसील बारा के 26 बंधियों में यही हाल है। सिंचाई विभाग को कैसे अंदर की भूमि कृषक के नाम हैं यह जानकारी नहीं हैं। विकास खंड शंकरगढ़ के लेदर, जनवा, बिहरिया, कपारी, वैसा विकास खंड जसरा के टिकरी, परवेजाबाद आदि बंधियों के अंदर की भूमि कृषकों के नाम दर्ज हैं। अगर इनमें से कुछ बंधियों के अंदर की भूमि सिंचाई विभाग को उपलब्ध हो जाए तो शायद क्षेत्र में पानी की समस्या से सदैव दूर हो जाएगी। पूर्व जिलाधिकारी रविंद्र मांदड़ ने अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) की अगुवाई में उपजिलाधिकारी बारा और अधिशाषी अभियंता बाघला नहर प्रखंड को सौपा जो जांच चल रहा हैं। देखना प्रशासन क्या कदम उठाता हैं।क्या किसानों के खेतों तक सिंचाई की व्यवस्था बनेगी आज भी किसान भगीरथ को देख रहें हैं। बोले जिम्मेदार गर्मी के मौसम में यमुना जी का जलस्तर बहुत नीचे चला जाता है। इसकी वजह से नहरो में पानी देना भी मुश्किल हो जाता है। इस स्थिति में अगर लिफ्ट सिंचाई विभाग द्वारा अगर पाइपों का यमुना मे लोअर कर दिया जाय एवं मोटर की अच्छी व्यवस्था कर दिया जाए तो तीसरे स्टेज पर इस विषय पर सोचा जा सकता है जिससे असिंचित क्षेत्र को भी सिंचित करने का प्रयास किया जा सकता है। परंतु इस समय आलम यह है कि हम लोग सेकंड स्टेज भी पूरा नहीं कर पाते जिसकी वजह से रोस्टर के हिसाब से नहरो को चलना पड़ता है। –प्रदीप कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता, बघला नहर प्रखंड, प्रयागराज शासन द्वारा मोटरों व अन्य उपकरणों की प्रतिस्थापना के लिए बजट आया हुआ है। शासन द्वारा उसकी अंतिम तिथि 2026 अक्तूबर तक है। परंतु मार्च 2026 तक विभाग का लक्ष्य है कि पुराने मोटरों को नया करें। जिससे व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके। इसका सर्वे भी किया जा चुका है जो अपर जिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी प्रयागराज को सौंपा जाएगा। –गौरव चतुर्वेदी, अधिशासी अभियंता, लिफ्ट सिंचाई विभाग, प्रयागराज

रोडवेज चालक हत्याकांड का मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल, सिपाही को भी लगी गोली

प्रयागराज। बीते मंगलवार को धूमनगंज थाना क्षेत्र के मुंडेरा में रोडवेज चालक रावेंद्र कुमार की हत्या के मुख्य आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है। मुठभेड़ में एक सिपाही को भी गोली लगी है। धूमनगंज, कर्नलगंज थाना और एसओजी की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है।

धूमनगंज थाना क्षेत्र के नीम सराय मुंडेरा में रोडवेज के संविदा चालक रावेंद्र की हत्या के मुख्य आरोपी अली को पुलिस ने पुलिस मुठभेड़ मे गिरफ्तार कर लिया। उसके पैर में गोली लगी है। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की गोली से एक सिपाही भी घायल हो गया है। पुलिस ने अली को दबोच लिया, लेकिन उसका साथी नुरैन भागने में सफल रही।

पुलिस उसकी खोजबीन में जुटी है। यह कार्रवाई धूमनगंज, कर्नलगंज और एसओजी की टीम ने संयुक्त रूप से की।

21 अक्तूबर को की गई थी हत्या

मुंडेरा चुंगी पेट्रोल पंप के पास मंगलवार को गालीगलौज व जातिसूचक शब्दों के प्रयोग

के विवाद में पत्थरबाजी कर रोडवेज चालक रावेंद्र कुमार उर्फ मुन्नू (40) की हत्या कर दी गई थी। हमलावर मौके से फरार हो गए। हत्या के बाद गुस्साए लोगों ने शव सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया था। मौके पर पहुंचे डीसीपी ने हमलावरों की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर किसी तरह मामला शांत कराया था। बाज में लापरवाही बरतने के आरोप में धूमनगंज के थाना प्रभारी अमरनाथ राय और टीपी नगर चौकी इंचार्ज राजेश कुमार चौबे को निलंबित कर दिया गया है।

सगे भाइयों समेत दर्जन भर हुए हैं नामजद

धूमनगंज थाना क्षेत्र के गांव नीमसराय निवासी रावेंद्र कुमार उर्फ मुन्नू रोडवेज में संविदा पर ड्राइवर थे। भाई नरेंद्र कुमार उर्फ राजन पासी ने बताया कि मंगलवार दोपहर 1रू15 बजे रावेंद्र मुंडेरा चुंगी पेट्रोल पंप पर बस में तेल भरवाने गए थे। आरोप लगाया कि वहां घात लगाकर बैठे हसनैन उसके भाई नुरैन, अली, कामरान, इरफान, हुसैन, कैफ समेत अन्य अज्ञात युवकों ने रावेंद्र से गालीगलौज शुरू कर दी। जातिसूचक शब्द कहकर उनके सिर पर पत्थर मार दिया और बोले कि इसे मार डालो। इसके बाद सभी ने मिलकर पत्थर बरसाए और भाई की हत्या कर दी थी। घटना में शामिल सभी आरोपियों के ऊपर 25–25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर दिया है। हत्या के आरोप में जिन आरोपियों पर इनाम घोषित किया गया है उसमें हसनैन अहमद, नुरैन अहमद, अली अहमद, कामरान, इरफान, हुसैन, कैफ शामिल है। इसमें हसनैन और नुरैन सगे भाई हैं।

पत्रकार हत्याकांड: हत्यारोपी विशाल और मां-बेटे को आमने-सामने कर 10 घंटे पूछताछ, विरोधाभासी बयान में उलझी पुलिस

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंह के चचेरे भतीजे एलएन सिंह उर्फ पप्पू की हत्या के मामले में पुलिस चार दिन बाद भी साहिल और उसकी मां विजेता की भूमिका का पता नहीं लगा सकी है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंह के चचेरे भतीजे एलएन सिंह उर्फ पप्पू की हत्या के मामले में पुलिस चार दिन बाद भी साहिल और उसकी मां विजेता की भूमिका का पता नहीं लगा सकी है। हालांकि, जेल जाने से पहले सिविल लाइंस थाने में आरोपी विशाल और मां–बेटे को करीब 10 घंटे तक आमने–सामने बिठाकर पुलिस ने पूछताछ की। इस दौरान साहिल की मां ने कहा कि विशाल ने पप्पू को कब चाकू मारा है, उसे कोई जानकारी नहीं है। सिविल लाइंस स्थित हर्ष होटल के पास बृहस्पतिवार की रात पप्पू की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के तीन घंटे बाद पुलिस ने मुठभेड़ में आरोपी विशाल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला था कि पप्पू के दोस्त बबलू की पत्नी विजेता अपने बेटे साहिल को विशाल के संग नशा करने से रोकती थी। इसी विवाद में पप्पू की हत्या की गई। मामले में मां–बेटे की भी भूमिका संदेह के घेरे में हैं। इसकी वजह जानने के लिए तीनों को सिविल लाइंस थाने में आमने–सामने बिठाकर लंबी पूछताछ की गई। पुलिस अफसरों ने बताया कि बार–बार बयान बदलने की वजह से हत्या के मामले की कड़ी नहीं जुड़ पा रही है। आशंका है कि जांच के दौरान मामले में कुछ और भी खुलासा हो सकता है। इससे पहले पुलिस शनिवार को आरोपी विशाल को जेल भेज चुकी है। आमने–सामने पूछे गए कुछ सवाल–

पुलिस: पप्पू को क्यों मारा है?

विशाल: उसने मुझे सिर पर डंडे से मारा था, इसलिए मार दिया

पुलिस: घटना के दौरान तुम कहां थी, क्या देखा?

विजेता: मुझे नहीं मालूम कब विशाल ने चाकू मारा, हां पूर्व में विवाद हुआ था उस दिन नहीं

फर्जी नियुक्तियों की जांच तीन माह बाद भी अधर में, नहीं खुल सका फर्जी वेतन भुगतान का राज

प्रयागराज। गोंडा जिले के लगभग 28 सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूलों में सृजित पदों से अधिक पदों पर की गईं नियुक्तियों और फर्जी वेतन भुगतान का मामला अब भी अनसुलझा है। एसआईटी (विशेष जांच दल) और बेसिक शिक्षा निदेशालय इस मामले की जांच कर रहे हैं लेकिन अब तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाए हैं। गोंडा जिले के लगभग 28 सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूलों में सृजित पदों से अधिक पदों पर की गईं नियुक्तियों और फर्जी वेतन भुगतान का मामला अब भी अनसुलझा है। एसआईटी (विशेष जांच दल) और बेसिक शिक्षा निदेशालय इस मामले की जांच कर रहे हैं लेकिन अब तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाए हैं। फर्जी नियुक्तियों का खुलासा ठंडे बस्ते में चला गया है। निदेशालय की जांच तीन माह बाद भी अधर में है। गोंडा निवासी आरपी मिश्रा ने जुलाई 2025 में महानिदेशक स्कूल शिक्षा लखनऊ को एक शिकायती पत्र भेजा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि जिले के कई सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूलों में छात्र संख्या बहुत कम होने के बावजूद 35 से 85 अध्यापक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। यह भी दावा किया कि फर्जी वेतन भुगतान का खेल लेखा कार्यालय के लिपिकों और स्कूल प्रबंधकों की मिलीभगत से चल रहा है। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने प्रयागराज के अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) कामता प्रसाद पाल को जांच का निर्देश दिया। उन्होंने तीन जुलाई 2025 को सहायक शिक्षा निदेशक/उप शिक्षा निदेशक डॉ.बृजेश मिश्र को जांच सौंपी। डॉ.मिश्र जब जांच के लिए गोंडा पहुंचे तो कार्यालय ही गायब मिला। उन्होंने 22 अगस्त को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार तिवारी को पत्र भेजकर पूछा कि छह अगस्त को मांगी गई सूचना अभी तक क्यों उपलब्ध नहीं कराई गई।

उन्होंने लिखा कि बीएसए ने 15 विद्यालयों के प्रतिनिधियों को कार्यालय में बुलाने की बात कही थी लेकिन कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। यहां तक कि लिपिक भी नहीं आए। डॉ. मिश्र ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि यह लापरवाही और उदासीनता फर्जी नियुक्तियों और वेतन भुगतान में बीएसए कार्यालय की संलिप्तता की ओर इशारा करती है। उन्होंने 23 अगस्त को 28 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को फिर से निर्देश दिया कि आवश्यक अभिलेखों सहित बीएसए कार्यालय में उपस्थित हों।

उधर बीएसए कार्यालय ने केवल औपचारिकता निभाने के लिए चार राज्य कर्मचारियों और छह परिषदीय कर्मचारियों को पत्र भेजकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। डॉ. मिश्र ने छह अगस्त और 16 अगस्त को दोबारा पत्र भेजकर जानकारी मांगी लेकिन कोई ठोस जवाब नहीं मिला। निदेशालय द्वारा शुरू की गई जांच तीन महीने बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। अपर शिक्षा निदेशक डॉ. बृजेश मिश्र ने कहा कि जांच जारी है, जल्द ही इसे पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) कामता प्रसाद पाल ने बताया कि एसआईटी जांच के चलते विभागीय जांच कुछ समय के लिए शिथिल हो गई है। रिकॉर्ड की अनुपलब्धता के कारण विलंब हो रहा है पर जांच शीघ्र पूरी की जाएगी।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की संपन्न हुई काव्य गोष्ठी

प्रयागराज। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच पूर्वी उत्तर प्रदेश इकाई की एक काव्य गोष्ठी आज संजय सक्सेना, रचना सक्सेना के आवास पर हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों ने माँ सरस्वती को दीप प्रज्ज्वलित और पुष्प अर्पित करके किया। इसके बाद रचना सक्सेना ने सरस्वती वंदना करके कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य

अवध नारायण शुक्ल, मुख्य अतिथि डाक्टर शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, विशिष्ट अतिथि डॉक्टर प्रदीप चित्रांशी रहे।

इस काव्य गोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले कवियों में सर्वश्री उमेश श्रीवास्तव, डॉ प्रदीप चित्रांशी, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, डॉक्टर शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, रचना सक्सेना, राजेश सिंह राज, संजय सक्सेना, अवध नारायण शुक्ल, शरत चंद्र श्रीवास्तव, मनमोहन सिंह तन्हा, शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन सप्रसंग व तमाम उक्तियों से भरे संवादों से उमेश श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संजय सक्सेना ने किया।

मुज़फ्फरनगर के रवि कुमा ने साउथ एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता रजत

जी हां सीमा से शिखर तक एक सच्चे विजेता की कहानी

मुज़फ्फरनगर के चरथावल ब्लॉक के गाव घनमाजरा निवासी रवि कुमार सीमा सुरक्षा बल अकादमी ग्वालियर में आरक्षक के पद पर नियुक्त है कांस्टेबल के पद पर भर्ती होकर भी अंतरास्ट्रीय स्तर पर इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना वास्तव में उनके समर्पण अनुशाशन के साथ साथ कड़ी मेहनत इच्छा शक्ति का परिणाम है। रवि कुमार ने न केवल जनपद बल्कि देश। का नाम रोशन किया है। रवि कुमार, भारतीय शॉट पुट एथलीट,

ने हाल ही में रांची में आयोजित 4वीं साउथ एशियन एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2025 के उद्घाटन दिवस पर पुरुषों की शॉट पुट स्पर्धा में रजत पदक जीता। उन्होंने 17.95 मीटर की दूरी अंकित की, जबकि स्वर्ण पदक मध्य प्रदेश के समरदीप गिल ने 19.59 मीटर के थ्रो के साथ जीता, जो कि मीट रिकॉर्ड भी है। कांस्य पदक श्रीलंका के मिथुनराज को मिला। यह चौंपियनशिप 24–26 अक्टूबर 2025 को हो रही है। इससे पहले, 29 सितंबर 2025 को नेशनल ओपन एथलेटिक्स चौंपियनशिप में रवी ने कांस्य पदक जीता था, जहां उन्होंने 18.23 मीटर का थ्रो किया। उनकी इस उपलब्धि पर जहाँ पूरे जनपद में हर्ष का माहौल है वही गाव में मिठाई बांटी गई सीमा सुरक्षा बल अकादमी ग्वालियर ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जीवन के रंग साहित्यकारों के संग (लेखक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय) को मिलेगा लोकरंजन सम्मान

एक नवंबर को प्रयागराज में आयोजित होगा साहित्यकार सम्मान समारोह २०२५

प्रयागराज। प्रतिष्ठित लोकरंजन सम्मान सहित त्रिवेणी ग्रामोद्योग उत्थान समिति और लोकरंजन प्रकाशन प्रयागराज द्वारा दिए जाने वाले विभिन्न नामित सम्मान आगामी एक नवम्बर शनिवार को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गंगा नाथ झा परिसर आजाद पार्क में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में देश भर से चयनित बीस से अधिक साहित्यकारो को दिये जाएंगे। उपरोक्त

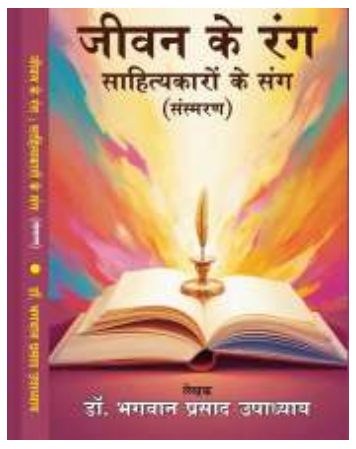

जानकारी लोकरंजन प्रकाशन प्रयागराज द्वारा दी गई है जिसमें बताया गया है कि सम्मान समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक ललित कुमार त्रिपाठी जी करेंगे और मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान की प्रधान संपादक और सुविख्यात साहित्यकार डॉ अमिता दुबे जी होंगी। विशिष्ट अतिथि डॉ एच पी पाण्डेय अध्यक्ष ब्लू प्लैनेट सोसायटी प्रयागराज रहेंगे। प्रकाशन द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया है कि समारोह प्रातः दस बजे शुरू कर दिया जाएगा जिसमें उत्तर प्रदेश , मध्यप्रदेश , हरियाणा , उड़ीसा , झारखंड , महाराष्ट्र , छत्तीसगढ़ और गुजरात से प्राप्त प्रविष्टियों में चयनित बीस साहित्यकार सम्मानित किए जाएंगे। प्रयागराज से डा० भगवान प्रसाद उपाध्याय की पुस्तक – जीवन के रंग साहित्यकारों के संग (संस्मरण), सम्पदा मिश्रा की पुस्तक अंगारों पर चलना सीखो (काव्य संग्रह), ब्रह्मा नंद मिश्रा की पुस्तक संघर्षों की गाथा (संस्मरण) श्रीमती तुलसी देवी तिवारी की पुस्तक पुकार जगन्नाथ की (संस्मरण) सहित कुल बीस साहित्यकार सम्मानित किए जाएंगे।

सच की बुनियाद पर मेयार टिका रखा है..

रायबरेली ऊंचाहार। ऊंचाहार क्षेत्र के गांव अरखा में संचालित विश्वनाथ सिंह स्मारक सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज में विगत दिनों पुरातन छात्र सम्मेलन एवं स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। विद्यालय के संस्थापक एवं वर्तमान सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश श्री उमेश द्विवेदी जी सम्मेलन के मुख्य अतिथि रहे। कालेज के प्राचार्य श्री अनिल श्रीवास्तव ने सभी आगंतुकों के प्रति स्वागत भाषण किया। विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना के पश्चात विद्यालय के स्थापना वर्ष 8 अगस्त 1991में प्रथम रुप से प्रवेशित आमंत्रित पुरातन छात्रों ने अपने अपने अनुभव साझा किये। पुराछात्र सह संगठन मंत्री, सेवा भारती, नई दिल्ली श्री सुनील त्रिपाठी ने कहा कि इस विद्यालय ने ज्ञान विज्ञान के साथ मूल्यों को संरक्षित किया है जो संस्कार के रुप में हमारे रक्त में प्रवाहित है। पुराछात्र के रुप में पधारे प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज में संस्कृत प्रवक्ता, कवि, युवालेखक डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस विद्यालय ने अनुशासित संयम के साथ साथ सदाचार, नैतिकता, मानवीयता, सामाजिकता का जो पाठ पढ़ाया

है वही हमारी वर्तमान उपलब्धियों का मूलाधार है। इस विद्यालय की सर्जनात्मक ऊर्जा हमारे चिन्तन की बुनियाद में शामिल है। डॉ.पीयूष की काव्य पंक्तियां– झूंठ की आंधियों का मुझपे असर क्या होगा, सच की बुनियाद पर मेयार टिका रखा है। पेड़ की आह कुल्हाड़ी की बेंत पर चींखी, काटने वाले ने अपनों को मिला रखा है, उपस्थित लोगों द्वारा खूब सराही गई। राजधानी कालेज दिल्ली विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर पुराछात्र डॉ. आनन्द प्रकाश ने कहा यह विद्या भूमि हमारी मातृसंस्था है, जिसने हमें उत्कर्ष तक पहुंचाया है। हम इसके सदैव ऋणी हैं। विद्यालय के संस्थापक, वर्तमान शिक्षक विधायक श्री उमेश द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुराछात्र हमारे विद्यालयरुपी गुलदस्ते के वो फूल हैं, जिनकी उपलब्धियों से विद्यालय परिवार रुपी उपवन सुवासित है। सभी पुराछात्र रुपी फूलों को एक सूत्र में पिरोने के उद्देश्य से हम प्रत्येक वर्ष पुराछात्र सम्मेलन वृहद रुप में आयोजित करते रहेंगे। पुराछात्र अनूप वर्मा, ऋषभ पाण्डेय, चन्द्रशेखर, अमिताभ श्रीवास्तव, जीविका, आस्था ने भी अपने अनुभव साझा किये। इस अवसर पर विद्याधर त्रिपाठी, छोटेलाल पाण्डेय, केशनाथ पाल, संजय तिवारी, अजय सिंह, राकेश शुक्ल, अनिल त्रिपाठी, दीपक पाण्डेय, अमरेश द्विवेदी, राजेन्द्र मिश्र, विकास भदौरिया, बृजेश द्विवेदी, विनय गुप्ता, श्रवण कुमार मौर्य, रिंकू सिंह, सोनम मिश्रा, कीर्ति पाण्डेय, सुल्ताना बेगम, राजीव रंजन त्रिपाठी, रमेश शुक्ल, सुनील मौर्य, अनामिका आदि सैकड़ों शिक्षक, छात्र, कर्मचारी मौजूद रहे। शिक्षक श्री प्रदीप मिश्र ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। राष्ट्रगान के साथ पुरातन छात्र सम्मेलन का समापन हुआ।

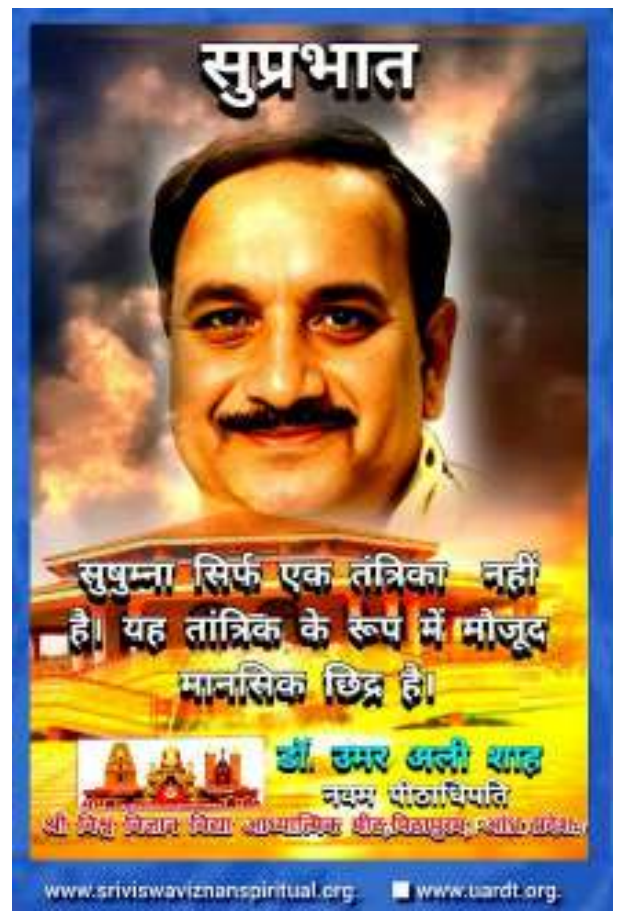

हिन्दी कहे कनेर

मलयालम 'अरली' कहे, हिन्दी कहे 'कनेर'।
संस्कृत कहती 'शतकुंभ', लाते सदा सबेर।
लाते सदा सबेर, फूल पीला है जिसका।
मध्यम कद का पेड़, सुगन्धित जग को करता।
सुन लो कहें प्रदीप, शाख है बहुत मुलायम।
दिखते है चहुँ ओर,बताती है मलयालम।।

मौसम के अनुकूल रह, दिखे न जो गुस्सैल।
अरब उसे कहता 'सुमुल', हिन्दी कहे 'कनैल'।
हिन्दी कहे 'कनैल', खेलती जिससे परियाँ।
पीला लाल सफेद, गुलाबी हैं पंखुड़ियाँ।
सुन लो कहें प्रदीप, तमिल में बन 'कर्वीरम'।
देते हैं मुस्कान, रहे कोई भी मौसम।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कोरांव ने जीती ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता की चमचमाती ट्रॉफी

भगेसर में तीन दिवसीय ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता संपन्न, विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ इक्कीस हजार की मिली नगद धनराशि

तुलापुर,(मिर्जापुर) की टीम बनी उपविजेता और ट्रॉफी के साथ ग्यारह हजार की मिली नगद धनराशि

प्रयागराज। तहसील कोरांव के भगेसर गांव में तीन दिवसीय ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता संपन्न हुई। उक्त प्रतियोगिता में प्रयागराज जिले के अतिरिक्त लखनऊ, प्रतापगढ़, अयोध्या, कौशांबी, वाराणसी, मिर्जापुर, आजमगढ़, प्रतापगढ़ आदि जनपदों से आई कुल 16 टीमों ने प्रतिभाग किया। जिसमें कुशवाहा ट्रेडर्स कोरांव की वॉलीबाल टीम ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीन दिवसीय ६ ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता ६ की ट्रॉफी जीत ली। देर रात्रि खेले गए प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला वॉलीबाल क्लब तुलापुर,(मिर्जापुर) और कुशवाहा ट्रेडर्स कोरांव के बीच खेला गया। जोकि काफी रोमांचक एवं संघर्षपूर्ण रहा और अंतिम क्षण तक दोनों टीमें एक–एक अंक के लिए जूझती रही। जिसमें पहला सेट कोरांव ने 25 – 23 अंकों से जीता,किंतु दूसरा सेट 22 – 25 अंकों से हार गई,इसलिए तीसरा अंतिम निर्णायक सेट खेला गया,जिसमें कोरांव की वॉलीबाल टीम में वॉलीबाल क्लब तुलापुर, (मिर्जापुर) की टीम को 28 – 26 अंकों से हराकर इक्कीस हजार रुपये की नगद धनराशि के साथ विजेता ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया। वहीं प्रतियोगिता के खेले गए अंतिम दिन विद्यालय के प्रबंधक गंगाधर पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश वॉलीबाल संघ के टेक्निकल कमेटी के टीम के खिलाड़ी अभय त्रिपाठी को मैन ऑफ द सीरीज के साथ ही साथ अच्छे खेल प्रदर्शन के आधार पर अन्य प्रतिभागी टीम के खिलाड़ियों को भी

सेमीफाइनल व लीग के मैचों में विजेता टीम कुशवाहा ट्रेडर्स कोरांव की टीम ने वाराणसी, लखनऊ, जगतपुर आदि टीम को हराकर तथा उपविजेता टीम वॉलीबाल क्लब तुलापुर, (मिर्ज़ापुर) की टीम ने अयोध्या, प्रतापगढ़, आजमगढ़ आदि टीमों को पराजित करके फाइनल में प्रवेश किया था। तीन दिवसीय ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता का समापन समारोह मेजबान चेयरमैन एवं डीवीए प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने विजेता टीम कुशवाहा ट्रेडर्स कोरांव को ट्रॉफी व इक्कीस हजार रुपये तथा उपविजेता टीम को ट्रॉफी व ग्यारह हजार रुपये नगद प्रदान कर सम्मानित किया। आयोजन समिति द्वारा विजेता टीम के कप्तान विवेक शुक्ला को मैन ऑफ दी मैच के पुरस्कार से नवाजा गया और उपविजेता स्पेशल पुरस्कार दिया गया। उक्त अवसर पर राकेश कुमार, चंद्रिका प्रसाद, जोधिका प्रसाद पांडेय, जितनारायन मिश्रा, योगेश पांडेय, मुकेश पांडेय, विपिन पांडेय, वेद प्रकाश पांडेय, अमर मिश्रा व रजोल तिवारी आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें। अंत मे आयोजन समिति की ओर से अखिलेश पांडेय ने सभी सहयोगियों व खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ओपन कराटे चैंपियनशिप का सफल आयोजन

मुजफ्फरनगर। होली चाइल्ड पब्लिक इंटर कॉलेज जड़ौदा (मुज़फ्फरनगर) में ओपन कराटे चौंपियनशिप का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें होली चाइल्ड पब्लिक इंटर कॉलेज से मुख्य अतिथि श्री प्रवेंद्र दहिया , एम डी एस विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मंसूरपुर से संचालक अनिल कुमार शास्त्री विशिष्ट अतिथि श्री सत्य प्रकाश तथा गेस्ट ऑफ ऑनर क्रांतिकारी शालू सैनी राष्ट्रीय अध्यक्ष साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट कराटे कोंच सिंहासन बसंत उपाध्याय , कराटे कोंच सेंसेई निखिल कुमार, ओर कराटे कोंच सेंसेई

नीरज सैनी ने सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्वलित कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया , टूर्नामेंट संचालक कराटे कोंच सेंसेई नीरज सैनी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया, मुजफ्फरनगर सहित जानसठ ,मेरठ , देवबंद , रोहाना से लगभग 200 खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करतें हुए खेल भावना का परिचय दिया, होली चाइल्ड पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री प्रवेंद्र दहिया जी ने बड़ी प्रशंसा के साथ बताया कि .ये हमारे लिए गर्व की बात है कि होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में ओपन कराटे चौंपियनशिप का आयोजन किया गया उन्होंने नीरज सैनी का होंसला बढ़ाते हुए 3100 रुपए की धनराशि इनाम में दी व सभी बच्चों का होंसला बढ़ाया क्रांतिकारी शालू सैनी सभी अभिभावकों से निवेदन करते हुए कहा कि अपने बच्चो को आत्मरक्षा के लिए जरूर तैयार करे स्पेशली बालिकाओं के लिए उन्होंने कहा कि हमारे देश को पापा की परी नहीं चाहिए शेरनियां ..चाहिए उन्होंने सभी कोच से भी अपील करते हुए कहा कि यदि कोई बच्चा फीस देने में सक्षम नहीं है और उसे सीखने की लग्न है तो हम सबको उसकी मदद करनी चाहिए और ऐसे बच्चे को जरूर सिखाना चाहिए ..विशिष्ट अतिथि श्री सत्य प्रकाश रेशु ने सभी छात्रों को अपने जीवन काल कि बात बताते हुए कहा कि आप विवेकानंद जैसा बनना है और मजबूती से आगे बढ़ना है। कार्यक्रम में राजू सैनी राष्ट्रीय महासचिव साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट भी उपस्थित रहे। इस टूर्नामेंट को सफल बनाने में नितिन बालियान, संत कुमार , विपिन कुमार, आरती , खुशी पाल, शुभम कुमार, अरुण सैनी , आशु कुमार , सौरभ पिलानिया, अभिषेक त्यागी, आशु कुमार, राज कुमार, अरुण सैनी, जगदीश पास, हर्ष त्यागी, श्रीमती नीरज पुंडीर, नीशू , गौरांशी , श्री मती राजकुमारी सैनी , सिहान बसंत उपाध्याय और सेंसेई निखिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

महोत्सव हमारी एक ही प्रीति रीति और लोक परम्परा का प्रतिदर्शः डा.पाण्डेय

भातृ प्रेम की पराकाष्ठा हैं,भरत : स्वामी विनोदानन्द रू दीप प्रज्वलन कलश पूजन और रामकथा के साथ 27वें जमुनापार महोत्सव का हुआ आगाज

करछना। महोत्सव हमारी माटी,परिपाटी प्रीति,रीति एवं लोक परंपरा को एक ही मंच पर संजोने वाला एक प्रतिदर्श है। प्रेरक के रूप में हमारी नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता से तार–तार जोड़ते हुए जमुनापार महोत्सव अपने अतीत की विरासत के साथ–साथ जमुनापार की प्रतिभाओं को एक मंच पर संजोते हुए अनवरत आगे बढ़ रहा है। यह बातें क्षेत्र के रामपुर स्थित श्री बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित 27 वें जमुनापार महोत्सव के उद्घाटन समारोह के अवसर पर महोत्सव के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने कही। कारगिल के अमर शहीद की धर्मपत्नी मंजू तिवारी एवं प्रसिद्ध कथावाचक स्वामी विनोदानन्द जी महाराज के साथ–साथ भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला,वरिष्ठ उपाध्यक्ष ज्ञान सिंह पटेल ने

भी दीप प्रज्ज्वलन कर जमुनापार की विरासत को संजो रहे महोत्सव आयोजन की प्रसंशा की। उद्घाटन के उपरांत शुरू हुई सात दिवसीय राम कथा कहते हुए प्रयाग से पधारे,व्यास पीठ पर विराजमान स्वामी विनोदानन्द सरस्वती जी ने भरत सरिस को राम सनेही,जैसी पंक्तियों द्वारा भरत को भाई प्रेम के पराकाष्ठा की संज्ञा दी। उन्होंने भरत महिमा का बखान कर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी। इसके पूर्व लोक कलाकार मोहिनी श्रीवास्तव,शबरेज अहमद, डॉक्टर वीरेंद्र सिंह कुशुमाकर और राम मनोहर लोहिया द्वारा प्रस्तुत गीत,भजन और कविताओं पर श्रोता देर शाम तक मंत्र मुग्ध होते रहे। प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने सभी अभ्यगतों का माल्यार्पण,स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया। मंच का संचालन शिक्षक डॉ.के.के.त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद प्रजापति,भुगाई सिंह,राम ललक सिंह,डॉ. दिनेश सोनी,सुधाकर पाण्डेय, आनन्द तिवारी, शिवम्,प्रदीप पांडेय,अभिषेक तिवारी,अजय सिंह, प्रकाश पाण्डेय,नरेश सोनकर,कमलाशंकर तिवारी,अशोक बेशरम सहित बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे।

सुल्तानपुर के सीएमओ सस्पेंड

लखनऊ, संवाददाता। सुल्तानपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी सरकार विरोधी बयानबाजी के चक्कर में नप गये।यूपी के सुल्तानपुर के सीएमओ डॉक्टर भास्कर प्रसाद को अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने वायरल वीडियो में दिए बयानों के आधार पर निलंबित कर दिया है। उन्होंने विभागीय जांच के आदेश भी दे दिए हैं।जिला अस्पताल की बदहाली के खिलाफ विरोध में कुछ लोग सीएमओ व सीएमएस की अर्थी निकालने की तैयारी में थे।प्रदर्शन के दौरान सीएमओ ने कहा कि,अगर निकालना है तो सरकार की अर्थी निकालो, योगी जी की अर्थी निकालो। सीएमओ के बयान का वीडियो वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया। इसके बाद प्रशासन ने सीएमओ साहब को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

सम्पादकीय.....

वैश्विक युद्ध के मुहाने पर बैठी दुनिया

आज सम्पूर्ण मानवता एक गहन संकट के मुहाने पर खड़ी है। विश्व के कई क्षेत्र बारूद के ढेर पर बैठे हैं, और पृथ्वी मानो तीसरे विश्वयुद्ध की कगार पर झूल रही है। युद्धों की आग ने न केवल सीमाएँ जलायी हैं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं, अर्थव्यवस्थाओं और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी राख में बदल दिया है। ताजा परिदृश्य में इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष विराम तो मिला है परंतु इस भयानक युद्ध ने गाजा पट्टी को मानवीय त्रासदी का केंद्र बना दिया है। बच्चे भूख से मर रहे हैं, महिलाओं के पास चिकित्सा और भोजन का अभाव है। अनाज और आटे की भारी कमी ने जीवन को असंभव बना दिया है। अस्पतालों में दवाइयाँ नहीं हैं, और घायल नागरिक खुले आसमान के नीचे तड़प रहे हैं। लेबनान द्वारा इजराइल पर हालिया हमले ने स्थिति को और भयावह बना दिया है जिससे अमेरिका के युद्धविराम प्रयासों पर प्रश्नचिह्न लग गया है। यह सब एक बार फिर साबित करता है कि युद्ध किसी राष्ट्र का नहीं, पूरी मानवता का शत्रु है। रूस–यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है। हजारों सैनिक और नागरिक मारे जा चुके हैं, शहर खंडहर बन चुके हैं। यूक्रेन द्वारा रूस पर 100 से अधिक ड्रोन हमले करने के बाद अब रूस के पास भी गोला–बारूद की कमी की खबरें हैं। रूस ने कई बार परमाणु हथियारों के उपयोग की खुली धमकी दी है जो विश्व के लिए सबसे बड़ा भय है।यह युद्ध अब केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्तियों का प्रत्यक्ष और परोक्ष मुकाबला बन चुका है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग–उन 2022 के बाद से 100 से अधिक मिसाइल परीक्षण कर चुके हैं, जिनमें कुछ अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया को लक्ष्य बनाकर की गई हैं। उधर चीन और ताइवान के बीच तनाव दिन–ब–दिन बढ़ता जा रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को लेकर ताइवान पर हमला करने की तैयारी में हैं, और अमेरिका का परोक्ष समर्थन ताइवान को युद्ध के मैदान में धकेल रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य अस्थिर हुआ है। ट्रंप की व्यावसायिक सोच और हथियार उद्योग से जुड़ा लाभ का समीकरण अमेरिका को कभी भी युद्धविराम की ओर नहीं जाने देगा। दरअसल, अमेरिका, रूस, चीन, उत्तर कोरिया और नाटो देश कृ सभी अपने–अपने हथियार उद्योग के आर्थिक लाभ में युद्ध को अवसर की तरह देखते हैं। नभारत ने सदैव शांति और संयम का मार्ग अपनाया है।'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकवाद के ठिकानों को नष्ट करने के बाद भारत ने युद्ध की बजाय कूटनीति का रास्ता चुना कृ यही उसकी राजनैतिक परिपक्वता का प्रमाण है।रूस के साथ पारंपरिक मित्रता और अमेरिका के साथ हाल के वर्षों में सुदृढ़ संबंध भारत को एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करते हैं। यही संतुलन आज विश्व शांति की सबसे बड़ी उम्मीद है।रूस–यूक्रेन संघर्ष, इजराइल–गाजा युद्ध, चीन–ताइवान विवाद और उत्तर कोरिया की परमाणु धमकियाँ इन सबने एक परमाणु युद्ध की पृष्ठभूमि बना दी है।यदि यह चिंगारी भड़क उठी तो पाकिस्तान और खाड़ी देश भी इसमें खिंच जाएंगे और तब यह पृथ्वी मानव इतिहास की सबसे बड़ी विनाशक आपदा झेल सकती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी किसी राष्ट्र को गौरव नहीं दिया कृ केवल लाशों का अंबार और पीढ़ियों की पीड़ा दी है।आज जब विश्व एक क्लिक में जुड़ा है, तो एक मिसाइल भी पूरे सभ्य संसार को नष्ट कर सकती है। इसलिए आवश्यकता है कि राष्ट्र अपने स्वार्थ, अहंकार और सत्ता की भूख को त्यागें और यह स्वीकार करें कि "युद्ध किसी की जीत नहीं, सबकी हार है।

बढ़ता ई-कचरा अदृश्य सुनामी

प्रेम शर्मा

एक अनुमान के मुताबिक हर साल दुनिया में 2.12 अरब टन से ज़्यादा कचरा पैदा होता है। यह मात्रा 2050 तक बढ़कर 4 अरब टन तक हो सकती है। इसमें नगरपालिका ठोस कचरा शामिल है।

जी हॉ जिस तेजी से तकनीक बढ़ी है उतनी ही तेजी से ई–कचरा बढ़ रहा है। इस ई –कचरें की वृध्दि फिलहाल पॉच गुनी और आने वाले समय में दस गुनी हो जाएगी। इस ई–कचरे को लेकर धनी और विकसित देश अभी से सक्रिय है लेकिन गरीब देश इस ई–कचरे को लेकर गम्भीर नही है। परिणाम स्वरूप यह ई–कचरा अगले ही कुछ सालों में कई देशों के लिए अदृश्य सुनामी के रूप ध ाारण कर लेगा। ई–कचरे का सबसे नया खतरा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बढ़ते उत्पादन और बेतरतीब ढंग से निपटान के कारण हो रहा है, जिससे पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहे हैं। ई–कचरे में पारा, सीसा और कैडमियम जैसे विषाक्त पदार्थ होते हैं, जो मिट्टी, पानी और हवा को प्रदूषित करते हैं, जिससे कैंसर, हृदय संबंधी समस्याएं और तंत्रिका संबंधी नुकसान जैसे स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं। बच्चों और कमजोर समूहों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है।तकनीक में तेजी से बदलाव के कारण ई–कचरा किसी भी अन्य अपशिष्ट प्रवाह की तुलना में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। ई–कचरे में मौजूद पारा, सीसा, कैडमियम, बेरियम और डाइऑक्सिन जैसे रसायन मनुष्यों के मस्तिष्क, हृदय, फेफड़े और गुर्दे को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ई–कचरे के अनुचित निपटान से मिट्टी, पानी और हवा प्रदूषित हो सकते हैं, जो वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। बच्चों को ई–कचरे के विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने का अधिक खतरा होता है, क्योंकि उनकी विकासशील प्रणालियाँ क्षति के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। इस मामले में दुनिया के धनी देश अपने यहां तो स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के सवाल पर सजग दिखते हैं, लेकिन गरीब देशों को उन्होंने ई–कचरे का डाम्पिग प्याईट बना दिया है। एक अनुमान के मुताबिक हर साल दुनिया में 2.12 अरब टन से ज़्यादा कचरा पैदा होता है। यह मात्रा 2050 तक बढ़कर 4 अरब टन तक हो सकती है। इसमें नगरपालिका ठोस कचरा शामिल है। अगर कोई भी देश अपने यहां सामान्य गंदगी से लेकर ई–कचरे तक का ढेर नहीं लगने देता है, साफ– सफाई और पुनर्चक्रण का बेहतर इंतजाम करता है,तो अच्छी बॉत है। लेकिन वही देश अपने कचरे को ठिकाना लगाने के लिए विकासशील या गरीब देशों में भेज रहा है तो यह गम्भीर बॉत है।इस संबंध में लंबे समय से सवाल उठाए जा रहे हैं और बताया गया है कि जिस मात्रा में विकसित देशों का कचरा विकासशील देशों में भेजा जा रहा है, उसके गंभीर खमियाजे सामने उठाने पड़ेंगे। संबंधित सरकारों को इसे रोकने के लिए हर स्तर पर तत्काल कदम उठाने चाहिए। मगर इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई देशों की ओर से तीखा विरोध उभरने के बावजूद आज भी अमीर देशों ने अपना ई–कचरा विकासशील देशों में भेजा जाना जारी रखा है। इस संबंध में पर्यावरण पर नजर रखने वाली संस्था बासेल एक्शन नेटवर्क की ताजा रिपोर्ट चौकाने वाले है। रपट में कहा है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रानिक सामग्री दूसरे देशों में भेजी जा रही है, जिनमें से अधिकतर दक्षिण पूर्व एशिया के विकासशील देश हैं। खतरनाक बात यह है कि जिन देशों में ये खतरनाक ई–कचरे भेजे जा रहे हैं, वे इसके सुरक्षित रूप से निस्तारण के लिए तैयार नहीं हैं। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि ये घातक कचरे जिन देशों में भेजे जा रहे हैं, वहां की आबोहवा किस हद तक प्रभावित होगी और उसका आम लोगों के जीवन पर कितना घातक असर पड़ेगा इसकी मानों कोई चिन्ता ही नही है। जबकि पिछले दो वर्ष तक हुई जांच में यह पाया गया कि कम से कम दस अमेरिकी कंपनियां इस्तेमाल किए गए इलेक्ट्रानिक सामान को एशिया और पश्चिम एशिया के देशों में भेजा गया। इलेक्ट्रानिक कचरे में फोन, कंप्यूटर में सीसा, कैडमियम और मरकरी जैसी कीमती सामग्री से लेकर विषाक्त धातु भी शामिल हैं।

छठ पर्व पर दोहे ...

दीवाली के दीप की, महिमा अपरम्पार ।
जग मग जग मग हो उठा, है सारा संसार ।।

घर घर महके ठेकुआ, द्वार सजा त्योहार।
छठ पूजा की धूम है, नदी सरोवर पार।।

छठी माइ का खेल जो , हमने देखा आज।
खाली झोली भर गई, मां ने रख ली लाज।।

सुबह सांझ की लालिमा, धरती अम्बर एक।
कितना पावन पर्व है, जाओ माथा टेक।।

छठ पूजा की थाल में, सजा मन्नतें ढेर।
श्रद्धा अरु विश्वास से, ममता भरती टेर।

नदी किनारे घाट पर, झुकता है जब शीश।
चढ़ते सूरज ने दिया,आंचल भर आशीष।।

उगते– ढलते सूर्य को , अर्घ्य दे रही आस।
अपने बालक के लिए, मां करती उपवास।।

संगीता 'सुमन'

संतुलन, संयम और सक्रियता जयशंकर की पहचान, निकाल दिया भारत–अमेरिका रिश्तों में आई 'समस्या' का समाधान!

नीरज कुमार दुबे

भारत और अमेरिका के बीच बीते कुछ महीनों से जो आर्थिक और रणनीतिक असहमति का दौर चल रहा है, उसने दोनों देशों के ष्स्वाभाविक साझेदारीष वाले रिश्ते पर गहरा असर डाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना इस तनाव का चरम बिंदु रहा। भारत ने इसे "अनुचित, असंगत और अविवेकपूर्ण" करार दिया। किंतु कूटनीति का मूल्य संकट के समय ही मापा जाता है और यही बात कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन के इतर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मुलाकात में स्पष्ट रूप से दिखाई दी। जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार

समझौता "बहुत जल्द" होने वाला है। यह संकेत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत–अमेरिका व्यापारिक तनाव का असर सिर्फ द्विपक्षीय नहीं बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और हिंद–प्रशांत की आर्थिक स्थिरता पर भी पड़ रहा है। भारत की ओर से यह कोशिश स्पष्ट दिख रही है कि वह न केवल शुल्क विवाद को सुलझाना चाहता है, बल्कि व्यापक आर्थिक सहयोग को फिर से गति देना चाहता है। रुबियो ने भी अपने बयान में यह स्वीकार किया कि भारत "हमारा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सहयोगी" है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर उठे सवालों पर सफाई देते हुए कहा कि "हम पाकिस्तान के साथ रिश्ते भारत की कीमत पर नहीं बढ़ा रहे।" यह वक्तव्य अमेरिकी विदेश नीति के उस द्वंद्व को भी रेखांकित करता है, जिसमें वाशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से अपनी रणनीतिक गणना में शामिल करना चाहता है, लेकिन नई दिल्ली की संवेदनशीलता को भी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता। देखा जाये तो अमेरिका और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ महीनों में बढ़ती निकटता भारत के लिए चिंता का विषय रही है, खासकर तब जब ट्रंप प्रशासन ने मई में भारत–पाकिस्तान सीमा संघर्ष के बाद पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर से सीधी वार्ता की। अमेरिका का यह दावा कि ट्रंप ने "संघर्ष विराम में मध्यस्थता" की, नई दिल्ली के लिए अस्वीकार्य रहा। रुबियो ने भले ही यह स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते संबंध "भारत की कीमत पर नहीं होंगे", लेकिन कूटनीति में ऐसी पंक्तियाँ आश्वासन से अधिक संकेतों का माध्यम होती हैं। भारत के लिए संदेश साफ है कि वाशिंगटन अपनी क्षेत्रीय रणनीति में इस्लामाबाद को पूरी तरह अलग नहीं करेगा, पर नई दिल्ली को साझेदारी में बराबरी का दर्जा देने की कोशिश जारी रखेगा। साथ ही रुबियो की टिप्पणी कि "भारत ने पहले ही तेल खरीद में विविधता लाने की इच्छा व्यक्त की है" यह दर्शाती है कि अमेरिका अब भारत के ऊर्जा निर्णयों पर सीधे दबाव डालने के बजाय संवाद का रास्ता अपना रहा है। यह एक व्यावहारिक बदलाव है। रूस से सस्ता तेल खरीदना भारत के लिए महज़ ऊर्जा नीति नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का प्रश्न है। जयशंकर बार–बार यह दोहरा चुके हैं कि "भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप निर्णय लेता है।" इस पृष्ठभूमि में रुबियो की भाषा अपेक्षाकृत संयमित और यथार्थपरक दिखी, जो बताती है कि अमेरिका भारत की स्वायत्त विदेश नीति को धीरे–धीरे स्वीकार करने की दिशा में है।

मुसहर

समझ सकें इनके जीवन के संताप को
इसलिए मुसहरों के मुहल्ले मे
मैं ले चल रहा हूं आपको।
आइए देखिए कैसे जिंदगी जी नहीं
गुज़ारी जाती है।
कैसे बिना वार किए
उम्मीदें मारी जाती हैं।
जरा संभलियेगा क्योंकि
ये पंडितों का मंदिर या धर्मशाला नहीं है।
ये ठाकुरों का महकता बाग या
कांधे पर शोभित दुशाला नहीं है।
यहां गंदगी, कीचड़ में सने रास्ते
जुबां पर फूहड़ गालियां हैं।
पूरे मुहल्ले में महकती शराब लोटती सुअर
बजबजाती नालियां हैं।
आप समझ सकें क्यों रुमाल से ढंकना पड़ा नाक को
इसलिए मुसहरों के मुहल्ले में
मैं ले चल रहा हूं आपको।
ये बुद्दा का घर है
इसमें आपको नब्बे डिग्री झुककर घुसना पड़ेगा।
ये घर है या मांद ये आपको तय करना पड़ेगा।
ये है इनकी गृहस्ती,कुछ बर्तन, बिछौना सोते बच्चे बिचारे हैं ।
इसमें ये ही नहीं इनके पूर्वज भी दिन गुजारे हैं।
अबकी जब सावन बरसा था जोर से।
पीछे की दिवार गिर गई थी एक ओर से।
आप समझ सकें पुरवा के थाप को
इसलिए मुसहरों के मुहल्ले में
मैं ले चल रहा हूं आपको।
कुछ लोग इनका छुआ पानी भी पी नहीं सकते।
वही लोग इनकी बनाई शराब के बिना जी नहीं सकते।
वो जो कहते हैं कि इनको छूना पाप है।
सच बताऊं तो वो ही इनके कई बच्चों के बाप हैं।
हर शाम यहां नशे की धुत में
चंदन को धूल बनाया जाता है।
पैसे के लालच से बेचारी कलियों को फूल बनाया जाता है।
आप समझ सकें हो रहे इस पाप को
इसलिए मुसहरों के मुहल्ले में
मैं ले चल रहा हूं आपको।
जूठे पत्तल से जिनका पेट भरता है।
जो इसी नरक में रोज जीता – मरता है।
जो मूंस मार के उसका निवाला बनाए।
जो शायद इसलिए जिए क्योंकि मौत न आए।
वो शिक्षा के महत्व को क्या ही जानेगा।
सरकार से अपने हक क्या ही मांगेगा।
शायद ढुंढ लो इस यामिनी में आफताब को
इसलिए मुसहरों के मुहल्ले में
मैं ले चल रहा हूं आपको।
कल शायद हम विकसित राष्ट्र बन जाएंगे।
तब भी क्या इनकी समस्याओं का अंत कर पाएंगे।
तब क्या इन्हें स्वच्छ वातावरण, पक्का मकान मिल जाएगा।
तब क्या अस्पताल इनके मुहल्लों तक चल के आएगा।
तब क्या शिक्षा की लौ यहां भी जलाई जाएगी।
तब क्या इनकी बच्चियां कम उम्र में ब्याही नहीं जाएंगी।
शायद ढुंढ सको इन प्रश्नों के जवाब को
इसलिए मुसहरों के मुहल्ले में
मैं ले आया आपको।

प्रभंजन त्रिपाठी, सिकंदरा प्रयागराज।

बसपा के पतन के लिए जिम्मेदार कारक

एस आर दारापुरी

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की स्थापना कांशी राम ने 1984 में दलितों और हाशिये पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने के लिए की थी। 2007 में पार्टी ने उत्तर प्रदेश (यूपी) में एक बड़े सर्वजन गठबंधन के साथ पूर्ण बहुमत हासिल करके अपनी चरम सीमा हासिल की। हालाँकि, 2012 से, पार्टी में भारी गिरावट आई है, जिसका सबूत 2007 में लगभग 30: से घटकर 2024 के लोकसभा चुनावों में 9.39: वोट शेयर (0 सीटें जीतीं) और 2022 के न्च विध ाानसभा चुनावों में केवल 1 सीट मिलना है। यह गिरावट आंतरिक, रणनीतिक और बाहरी कारकों के मेल से हुई है। नीचे, राजनीतिक कमेंट्री और अकादमिक जानकारियों के विश्लेषण के आधार पर मुख्य कारणों का उल्लेख किया जा रहा है। मायावती के लंबे समय तक प्रभुत्व के कारण एक अत्यधिक केंद्रीकृत, वंशवादी ढाँचा बन गया है जो इनोवेशन और जवाबदेही को रोकता है। पार्टी कांशी राम के जमीनी स्तर के आंदोलन से हटकर एक ष्सुप्रीमो–केंद्रितष इकाई बन गई, जिसमें अपने भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी नियुक्त करने जैसे फैसलों से कार्यकर्ता नाराज हो गए। भूमि माफियाओं से संबंध और व्यक्तिगत संपत्ति जमा करने सहित भ्रष्टाचार के आरोपों ने उनकी छवि खराब की, जबकि उनके सीमित चुनाव प्रचार (अक्सर केंद्रीय एजेंसियों की जाँच के डर के कारण) ने उनकी दृश्यता कम कर दी। चुनाव के बाद, उन्होंने आंतरिक सुधारों के बजाय म्टड और मुस्लिम अविश्वास जैसे बाहरी कारकों को दोषी ठहराया, जिससे विश्वसनीयता कम हुई। बसपा का पारंपरिक जाटव दलित समर्थन (यूपी की आबादी का लगभग 10:) खंडित हो गया है, यहाँ तक कि वफादार मतदाता भी बीएसपी, बीजेपी और सपा–कांग्रेस गठबंधन के बीच बँट गए हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि गैर–जाटव दलित (यूपी की 21: एससी आबादी का बहुमत) 2014 से बड़े पैमाने पर बीजेपी की ओर चले गए, जो उसके सबअल्टर्न हिंदुत्वष और उज्ज्वला और पीएम आवास योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं

से आकर्षित हुए। 2022 के बाद के सर्वेक्षणों से पता चला कि आध ो से भी कम दलितों ने बीएसपी को वोट दिया, जिसमें एक चौथाई जाटव और आधे गैर–जाटव बीजेपी की ओर चले गए। यह एक ऊपर उठते हुए दलित मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करने में पार्टी की विफलता को दर्शाता है। 2007 की सर्वजन रणनीति ने कुछ समय के लिए दलितों, ब्राह्मणों, मुसलमानों और ओबीसी को एकजुट किया, लेकिन दलित कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण मुख्य वोटरों तक सीमित रहना पड़ा, जिससे सहयोगी दूर हो गए। ब्राह्मण बीजेपी में चले गए, मुसलमान एसपी में, और कुर्मी, कोइरी और राजभर जैसे ओबीसी समूह भी बीएसपी की समावेशी संदेश को बनाए रखने में असमर्थता के कारण ऐसा ही करने लगे। 2024 में, अल्पसंख्यकों और ओबीसी ने बड़े पैमाने पर एसपी–कांग्रेस इंडिया ब्लॉक का समर्थन किया, जिससे बीएसपी एक स्पॉइलर बनकर रह गई जिसने बीजेपी विरोधी वोटों को बांटकर परोक्ष रूप से बीजेपी की मदद की। पार्टी को कुंवर दानिश अली और रितेश पांडे जैसे सांसदों और विधायकों सहित कई दिग्गजों के बड़े पैमाने पर पलायन का सामना करना पड़ा है, जो ष्बेहतर अवसरों के लिए बीजेपी या एसपी में चले गए हैं। जमीनी स्तर के कार्यकर्ता कमजोर हो गए हैं, चुनावों के दौरान मुख्य दलित क्षेत्रों में कोई बैनर या रैलियां दिखाई नहीं देतीं, जो अरुचि का संकेत है। यह लेन–देन वाली राजनीति से उपजा है – बिना किसी वैचारिक जांच के फंड,टिकट के लिए दलबदलुओं का स्वागत करना – जिसने बीएसपी को एक स्थायी आंदोलन के बजाय एक चुनाव मशीन में बदल दिया है।

बायफ्रेंड से क्रिस्टल डिसूजा का हुआ ब्रेकअप, इंस्टा पर भी किया एक-दूसरे को अनफॉलो

क्रिस्टल डिसूजा यूं तो अक्सर अपने लुक्स और काम को लेकर चर्चा में रहती हैं, लेकिन इस वक्त वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। खबर है कि एक्ट्रेस का उनके बिजनेसमैन बॉयफ्रेंड मालिक गुलाम गॉस दीवानी से ब्रेकअप हो गया है। दोनों के बीच दुरिया करीब एक महीने पहले आ चुकी थी, लेकिन इसे लेकर एक्ट्रेस ने कभी जिक्र नहीं किया। क्रिस्टल अपनी पर्सनल लाइफ लोगों के साथ ज्यादा शेयर करना पसंद नहीं करतीं और इस ब्रेकअप पर भी उन्होंने कुछ भी कहने से मना कर दिया। दरअसल, क्रिस्टल और गुलाम ने इंस्टाग्राम पर भी एक–दूसरे को अनफॉलो कर दिया है और जब हाल ही में एक्ट्रेस से इस बारे में संपर्क किया गया, तो उन्होंने "कोई टिप्पणी नहीं" कहकर टाल दिया। इससे पहले जब क्रिस्टल से रेस्टोरेंट मालिक गुलाम गॉस दीवानी से जुड़ी अफवाहों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, जिसके पास थोड़ी समझ और सोच हो, वह खुद ही सही–गलत समझ सकता है। उन्होंने कहा, मैं किसी भी रिश्ते को नाम नहीं देना चाहती जब तक कि मेरी उंगली में अंगूठी न हो। मैंने अब तक कई रिश्तों से गुजरते हुए यह सीखा है कि कुछ भी हमेशा के लिए नहीं होता। चीजें बदल सकती हैं, परिस्थितियां बदल सकती हैं, इसलिए जब तक कोई चीज तय न हो, इसे खुलकर क्यों बताएं? मेरे लिए शादी हमेशा के लिए होती है और मैं अभी भी उस सोच को मानती हूँ। क्रिस्टल ने कहा, मेरे लिए यह व्यक्ति बहुत खास है। गुलाम मेरे साथ तब थे जब मैं अपने जीवन के सबसे कठिन समय में थी। उन्होंने मुझे संभाला, मुझे ताकत दी और मुझे यह एहसास कराया कि मैं जो कुछ भी हूं, वही मैं हूं। अगर मुझे अब पर्दे पर आत्मविश्वास और साहस के साथ काम करने की ताकत है, तो इसके पीछे उनका बड़ा योगदान है। वह हमेशा मुझे बेहतर बनने के लिए प्रेरित करते हैं। कई ऐसे मौके आए हैं जब मैं किसी कार्यक्रम में जाने से बचना चाहती थी, लेकिन उन्होंने मुझे समझाया और कहा, श्तुम्हें जाना होगा, तुम्हें दिखना चाहिए। किसी लड़की के लिए ऐसा साथी पाना, जो हर कदम पर मदद और समर्थन करे, बहुत मुश्किल होता है. उनके साथ रहने से मुझे यह महसूस होता है कि मेरे पास केवल एक साथी ही नहीं बल्कि एक मजबूत सहारा भी है, जो मुझे हर मुश्किल समय में आगे बढ़ने की हिम्मत देता है।

> क्रिस्टल अपनी पर्सनल लाइफ लोगों के साथ ज्यादा शेयर करना पसंद नहीं करतीं और इस ब्रेकअप पर भी उन्होंने कुछ भी कहने से मना कर दिया। दरअसल, क्रिस्टल और गुलाम ने इंस्टाग्राम पर भी एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है और जब हाल ही में एक्ट्रेस से इस बारे में संपर्क किया गया, तो उन्होंने "कोई टिप्पणी नहीं" कहकर टाल दिया।

माइक्रोसॉफ्ट छोड़कर एक्टिंग का रुख करनेवाली कुब्रा सैत को याद आए अपने पुराने दिन

एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक भावनात्मक पोस्ट के जरिए साल 2009 की अपनी यादों का पिटारा खोलते हुए अपने दर्शकों को बताया कि किस तरह उन्होंने डपबतवेवजि जैसी बड़ी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर अपने सपनों की तलाश में मुंबई का रुख किया था। कुब्रा ने कुछ थ्रोबैक तस्वीरें साझा करते हुए लिखा सन 2009 स्प्रेडशीट्स और सपनों के बीच कहीं मैंने माइक्रोसॉफ्ट की नौकरी छोड़कर मुंबई जाने का फैसला किया। सब कहते थे, 'पोर्टफोलियो' चाहिए। पोर्टफोलियो यानी उस बड़े शहर का मानो जादुई टिकट। मुझे याद है मेरा पोर्टफोलियो दुबई में मिस इंडिया वर्ल्डवाइड में 'मिस पर्सनैलिटी' जीतने के कुछ समय बाद ही एक बेहतर इंसान और फोटोग्राफर सुनिथ श्याम ने बनाया था और अपनी उस पहली तस्वीर को मैंने फ्रेम करवाया था। यह जिंदगी की वो पहली सीढ़ी थी, जिसे मैंने अभी जिया भी नहीं था। हालांकि सालों बाद, जब मैंने फ्रेम बदलना चाहा, तो कांच तस्वीर से चिपक चुकी थी और तस्वीर निकालते समय उसका एक हिस्सा वहीं रह गया, बिलकुल यादों की तरह। कुछ हिस्से धुंधले हो जाते हैं, कुछ साथ रह जाते हैं, लेकिन उस तस्वीर में शुरू हुई हिम्मत आज भी कायम है। कुब्रा सैत की यह पोस्ट अपनी सच्चाई और भावनात्मक गहराई के साथ दर्शकों के दिलों को इस कदर छू गई है कि वे उनके मुरीद बन गए हैं। साथ ही कभी नए सफर की शुरुआत का प्रतीक रही वह पुरानी तस्वीर अब उनकी उपलब्धियों और साहस की गवाह बन चुकी है। सच कहें तो अपनी बोल्ड चॉइसेज और असली अंदाज के लिए जानी जाने वाली कुब्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनमें नरमी भी है, और यही उनकी असली ताकत है। गौरतलब है कि हाल ही में काजोल के साथ द ट्रायल सीजन 2 में नजर आईं कुब्रा सैत ने अपने पहले रियलिटी शो राइज एन्ड फॉल के साथ अपना डेब्यू किया है और वे जल्द ही अपनी अगली फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नजर आएंगी।

पति पत्नी और पंगा, रॉकी जयसवाल की शिकायत, हिना खान ने गुस्से में कर दी कार्रवाई

टीवी शो पति पत्नी और पंगा के लेटेस्ट एपिसोड में दर्शकों को हंसी और ड्रामा का तड़का देखने को मिला। इस बार शो में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी पहुंचे, अपनी फिल्म मस्ती 4 के प्रमोशन के लिए। एपिसोड में पतियों की अजीबोगरीब ख्वाहिशें सामने आईं, जिन्हें पत्नियों को पहचानना था। खासकर रॉकी जयसवाल और हिना खान के बीच हुई मस्ती और हल्की–फुल्की तकरार ने दर्शकों का ध्यान खींच लिया। शो में रितेश देशमुख ने कपल्स को एक मजेदार टास्क दिया। इस टास्क में पतियों की कुछ अजीबोगरीब ख्वाहिशें बताई गईं और पत्नियों को पहचानना था कि ये किसके पति की हैं। पहली ख्वाहिश सुनकर सभी हंस पड़ेरू पति पूरे हफ्ते अपने मनपसंद कपड़े पहनेंगे, बिस्तर पर 100 गीले तौलिये रखेंगे और बाथरूम हमेशा गीला रहेगा। स्वरा भास्कर ने इसे अपने पति फहाद की ख्वाहिश बताया, लेकिन हिना खान ने तुरंत कहा कि ये ख्वाहिश उनके पति रॉकी जयसवाल की है। हिना ने मजाकिया अंदाज में रॉकी पर स्प्रे मारकर अपनी नाराजगी जताई। हिना की प्रतिक्रिया के बाद रॉकी ने मजाकिया अंदाज में शिकायत की कि उनकी पत्नी हर रोज यही सब करती हैं। उन्होंने कहा, "एक बात बताओ, ये पत्नी है या ड्राई क्लीनर? हर समय फ्लोर सूखा चाहिए। मैं नहा रहा हूं, नहाते–नहाते भी फ्लोर गीला नहीं होना चाहिए। क्या करूं? साइको है क्या यार। अगर नहीं नहाऊं तो बदबू आने की शिकायत। बहुत दुखी हूं। रॉकी की बातें सुनकर हिना ने एक बार फिर स्प्रे से जवाब दिया। इसके बाद रॉकी ने मजाक में कहा कि अगर वह किसी ट्रिप पर अपने दोस्त अभिनव के साथ जाएंगे, तब भी यही दिक्कत होगी। अभिनव ने भी कहा कि वह गीले तौलिये नहीं रखेंगे और बाथरूम हमेशा सूखा चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम ने सेट पर हंसी का माहौल बना दिया।

अलविदा हंसी के बादशाह सतीश शाह जी, लाश बनकर भी खूब हंसाया लोगों को

जाने भी दो यारो, साराभाई वर्सेस साराभाई, मैं हूं ना, ओम शांति ओम और अन्य फिल्मों में अपने काम के लिए मशहूर दिग्गज अभिनेता सतीश शाह का शनिवार को मुंबई में निधन हो गया। अभिनेता 74 वर्ष के थे। एक बेहतरीन अभिनेता सतीश शाह का किडनी फेल होने के कारण निध न हो गया। उन्हें हिंदुजा अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। वह अपनी कॉमेडी से लोगों के दिल को जीतने का हुनर जानते हैं। इस हफ्ते इंडस्ट्री में यह तीसरा बड़ा निधन है। इससे पहले, विज्ञापन जगत के दिग्गज पीयूष पांडे का शुक्रवार को और दिग्गज अभिनेता असरानी का सोमवार को निधन हो गया था। साल 1970 में फिल्म भगवान परशुराम से अपने सिनेमाई करियर की शुरुआत करने वाले सतीश शाह हर किरदार को शिद्दत से जीने के लिए जाने जाते थे। उन्होंने एक ही सीरियल में 55 किरदार निभाए थे, उनका ये रिकॉर्ड आज तक कोई नहीं तोड़ पाया है। एक्टर को फिल्म जाने भी दो यारों से भी कुछ फेम मिला था। इस फिल्म में उन्होंने अफसर डिमेलो की भूमिका निभाई थी, जिनकी मौत कुछ ही सीन के बाद हो जाती है। इसमें उन्होंने मुर्दा की भूमिका निभाकर इस रोल में जान डाल दी थी। उन्होंने बिना किसी एक्सप्रेशन के अपने किरदार को इतनी आसानी से निभा दिया कि वह मिसाल बन गया। शाह ने अपने एक्टिंग करियर में करीब 250 फिल्मों में काम किया, उनके आइकॉनिक किरदारों में साराभाई वर्सेस साराभाई का इंद्रवदन भी शुमार है। अभिनेता के परिवार में उनकी डिजाइनर पत्नी मधु शाह हैं।

सास-ससुर संग मॉल में स्पॉट हुई राधिका, जंपसूट में दिखाया मॉडर्न अवतार, बच्चों के साथ की शॉपिंग और मस्ती

अंबानी परिवार की में फैमिली टाइम और स्टाइल का अंदाज सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है। 23 अक्टूबर को आकाश और ईशा अंबानी ने अपने जन्मदिन का भव्य सेलिब्रेशन किया, जिसमें पूरे परिवार के अलावा बॉलीवुड के कई सितारे भी शामिल हुए। इस दौरान फैमिली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें राधिका अंबानी अपने सास–ससुर मुकेश और नीता अंबानी के साथ मॉल में बच्चों के साथ घूमती नजर आ रही हैं। राधिका के साथ इस आउटिंग में आकाश–श्लोका की बेटी वेदा और ईशा–आनंद पीरामल की बेटी आदिया भी मौजूद थीं। राधिका दोनों बच्चों का ध्यान रखती नजर आईं, जिससे उनका यह अंदाज फैन्स को बेहद पसंद आया। फैंस ने राधिका की सादगी और स्टाइल दोनों की तारीफ की, कहते हुए कि वह हर मौके पर अपने अलग–अलग अवतार से सबका ध्यान खींचती हैं। वीडियो में देखा गया कि अंबानी परिवार जामनगर के रिलायंस मॉल में कैजुअल लुक में सैर कर रहा था। मुकेश अंबानी येलो श्वेटशर्ट और ब्लैक पैंट में नजर आए, जबकि नीता अंबानी व्हाइट कुर्ते में बेहद सजीव दिखाई दीं। उनके बेटे अनंत अंबानी ब्लैक टी–शर्ट और पैंट में थे, वहीं राधिका शॉर्ट जंपसूट पहनकर बच्चों का ध्यान रखते हुए मॉल में घूम रही थीं। ईशा और आकाश अंबानी के जन्मदिन के मौके पर जामनगर में बॉलीवुड सितारे भी पहुंचे। इस लिस्ट में जाह्नवी कपूर, अर्जुन कपूर, दिशा पाटनी, करण जौहर, आर्यन खान, अनन्या पांडे, एटली शामिल थे। सोशल मीडिया पर इन सितारों की तस्वीरें और वीडियो जमकर वायरल हुईं, जिससे फैंस ने अंबानी फैमिली की ग्रैंड पार्टी और उनके आउटिंग लुक की खूब सराहना की। राधिका के मॉडर्न लेकिन जिम्मेदार लुक को देखकर सोशल मीडिया पर लोग उन्हें "स्टाइल आइकन ऑफ अंबानी फैमिली" कह रहे हैं। फैंस का कहना है कि राधिका की सादगी और सहज स्टाइल हमेशा चर्चा का विषय बनी रहती है। इस आउटिंग ने साबित कर दिया कि अंबानी फैमिली का फैमिली टाइम भी ग्लैमरस और सोशल मीडिया फ्रेंडली हो सकता है।

बिग बॉस में मीका सिंह की धमाकेदार एंट्री, कौन होगा घर से बाहर?

बिग बॉस के घर में इस हफ्ते वीकेंड वार का माहौल काफी धुआंधार रहा। शनिवार को सलमान खान ने घरवालों को कड़ी चेतावनी दी थी, लेकिन रविवार के एपिसोड में माहौल पूरी तरह बदल गया। इस बार शो में धमाल मचाने के लिए सिंगर मीका सिंह पहुंचे, जिन्होंने कंटेस्टेंट्स के साथ मस्ती और एंटरटेनमेंट का तड़का लगाया। मीका सिंह अपने नए गाने गुंडा के प्रमोशन के लिए शो में आए और घरवालों के साथ इंटरैक्शन किया। प्रोमो वीडियो में देखा जा सकता है कि मीका गाते–नाचते घर में एंट्री लेते हैं। सलमान खान भी उनके साथ थिरकते नजर आए। मीका ने घरवालों को बताया कि उनका गाना मस्ती और एनर्जी से भरा है। उनके आने से घर का माहौल हल्का–फुल्का और मजेदार हो गया। सभी कंटेस्टेंट्स हंसते–खिलखिलाते नजर आए। मीका के आने से कंटेस्टेंट्स भी पूरी तरह एंटरटेनमेंट मोड में आ गए। हर कोई उनके संग खेलों और नॉनस्टॉप मस्ती में व्यस्त नजर आया। घर में मीका की एनर्जी ने शो का टेम्पो बढ़ा दिया और दर्शकों को भी खूब एंटरटेनमेंट मिला। एपिसोड के अंत में सलमान खान एलिमिनेशन की घोषणा करेंगे। इस हफ्ते डबल एविक्शन की चर्चाएं हैं। रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि नेहल और बसीर अली शो से बाहर हो सकते हैं। हालांकि, दोनों के बाहर होने की पुष्टि अभी नहीं हुई है। रात के एपिसोड में ही खुलासा होगा कि कौन सच में घर से बाहर हुआ। मीका सिंह की एंट्री और सलमान के फन एलिमेंट के साथ, इस वीकेंड वार ने बिग बॉस के रोमांच को और बढ़ा दिया। कंटेस्टेंट्स की प्रतिक्रियाएं और एलिमिनेशन का सस्पेंस दर्शकों के लिए शो को और रोचक बना रहा है।

फूड लिस्ट में शामिल करें ये स्वादिष्ट महाराष्ट्रीयन डिशेज, डिनर के लिए रहेंगे बेस्ट

महाराष्ट्र न सिर्फ अपनी सांसकृतिक विविधता और ऐतिहासिक धरोहर के लिए फेमस है। बल्कि यह अपने स्वादिष्ट और अनूठे खानपान के लिए भी जाना जाता है। महाराष्ट्र की रसोई में आपको पारंपरिक मसालों और स्थानीय सामग्री का मिश्रण मिलेगा। जो हर डिश के स्वाद को खास बना देता है। वहीं महाराष्ट्र का खाना स्वाद, सादगी और पोषण तत्वों से भरा होता है। महाराष्ट्र का मसालेदार मिसल पाव हो या नरम–नरम पूरन पोली, यहां की हर डिश हर किसी के टेस्ट से तालमेल जरूर खाती है। हालांकि महाराष्ट्र की डिशेज का लुत्फ उठाने के लिए आपको महाराष्ट्र जाने की जरूरत नहीं है। बल्कि आप घर बैठे महाराष्ट्र के व्यंजन का लुत्फ उठा सकते हैं। बता दें कि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ कुछ ऐसे वेजीटेरियन रेसिपीज शेयर करने जा रहे हैं, जिनको आप घर में बना सकती हैं। यह डिशेज सिर्फ महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि हर किसी को पसंद आती है। आप महाराष्ट्र के इन स्वादिष्ट ग्रीन करी रेसिपीज को अपनी फूड लिस्ट में शामिल कर सकती हैं।

हरे चने की करी की सामग्री

हरे चने– 1 कप (भीगे हुए)
पालक– 1 कप (कटा हुआ)
नारियल– 2 बड़े चम्मच (कद्दूकस किया हुआ)
जीरा– 1 छोटा चम्मच
हरी मिर्च– 1 (कटी हुई)
अदरक–लहसुन पेस्ट– 1 छोटा चम्मच
धनिया पाउडर– 1 छोटा चम्मच
हल्दी– आधा छोटा चम्मच
तेल– 1 बड़ा चम्मच
नमक– स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले रातभर के लिए हरा चना भिगो दें और फिर इसे उबाल लें।

अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें और फिर जीरा और हरी मिर्च डालकर तड़का लगाएं।

इसके बाद इसमें लहसुन और अदरक का पेस्ट डालकर हल्का सा भून लें।

फिर कड़ाही में उबले हुए हरे चने और पालक डालें।

अब इसमें धनिया पाउडर, हल्दी और नमक डालकर 5–7 मिनट के लिए धीमा आंच पर पकाएं।

लास्ट में कद्दूकस किया हुआ नारियल डालकर गरमा–गरम सर्व करें।

पालक और मटर की हरी करी सामग्री

पालक– 2 कप (कटा हुआ)
मटर– 1 कप
घी– 1 बड़ा चम्मच
जीरा– 1 छोटा चम्मच
अदरक–लहसुन पेस्ट– 1 छोटा चम्मच
हरी मिर्च– 2
नारियल का दूध– आधा कप
नमक स्वादानुसार
गरम मसाला– आधा छोटा चम्मच

ऐसे बनाएं

सबसे पहले पैन में घी गर्म कर लें।

फिर इसमें जीरा, अदरक, लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर भूनें।

अब कड़ाही में मटर और पालक डालकर हल्का पकने दें।

इसके बाद नारियल दूध डालकर करीब 10 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं।

फिर ऊपर से गरम मसाला डालकर इसको रोटी के साथ सर्व करें।

धनिया पत्ते की करी की सामग्री

ताजे धनिया पत्ते– 2 कप
हरी मिर्च– 2
अदरक का टुकड़ा– 1 इंच
मूंगफली– 1 बड़ा चम्मच (भुनी हुई)
जीरा– 1 छोटा चम्मच
तेल– 1 बड़ा चम्मच
नारियल– आधा कप (कद्दूकस किया हुआ)
दही– आधा कप
नमक– स्वादानुसार

ऐसे बनाएं

धनिया पत्ते की करी बनाने के लिए सबसे पहले धनिया पत्ते, हरी मिर्च, अदरक, और मूंगफली को मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। अब कड़ाही में तेल गर्म करके उसमें जीरा डालें और फिर धनिया का पेस्ट डालें। फिर कड़ाही में कद्दूकस किया हुआ नारियल और दही डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब इसको 5 से 7 मिनट तक अच्छे से धीमी आंच पर पकने दें और इसमें नमक डाल दें। इस तरह से धनिया पत्ते की करी बनकर तैयार हो जाएगी, इसको आप रोटी या भाकरी के साथ परोसें।

कोकम और नारियल की हरी करी की सामग्री

नारियल का दूध– 1 कप
कोकम– 1 बड़ा चम्मच
जीरा– 1 छोटा चम्मच
हरी मिर्च– 2 (कटी हुई)
अदरक का टुकड़ा– 1 इंच
घी– 1 बड़ा चम्मच
हल्दी– आधा छोटा चम्मच
नमक– स्वादानुसार

ऐसे बनाएं

कोकम और नारियल की हरी करी बनाने के लिए सबसे पहले सभी सामग्री को तैयार कर लें और कोकम को थोड़े पानी में भिगो दें। अब कड़ाही में घी गर्म कर उसमें अदरक, हरी मिर्च और जीरा डालकर भूनें। इसके बाद कड़ाही में नारियल का दूध और भीगा हुआ कोकम डालकर अच्छे से मिलाएं। फिर नमक और हल्दी डालकर करी को 5–7 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। अब इसको आप रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं।

रात भर मुंह में रखकर सोएं तुलसी का पत्ता, मिलेंगे गजब के हेल्थ बेनीफिटस

तुलसी का भारतीय घर में धार्मिक महत्व तो है ही लेकिन क्या आपको पता है कि ये एक औषधि भी है। आज भी हमारी दादी मां–नानी मां भी सर्दी–खांसी या कोई भी वायरल होने पर तुलसी का काढ़ा आदि पीने की सलाह देती हैं। बता दें तुलसी की पत्तियों में एंटी–बैक्टीरियल, एंटा–सेप्टिक और एंटीऑक्सीडेंट्स गुण पाए जाते हैं। आयुर्वेद की मानें तो ये कई बीमारियों का इलाज है। तुलसी के पत्तों को अगर मुंह में रखकर सोया जाए तो सेहत को कई सारे लाभ मिलते हैं। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

सर्दी– जुकाम से मिलती है राहत

तुलसी की पत्तियों में एंटी– बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो वायरस का जड़ से खत्म कर देते हैं। रातभर इन्हें मुंह में रखकर सोने से सर्दी– जुकाम से राहत मिलती है।

पाचन तंत्र होता है बेहतर

अगर आपको गैस और एसिडिटी की दिक्कत रहती है, तो रोजाना मुंह में तुलसी के 2 पत्ते रखकर सोएं। इससे पाचन तंत्र स्ट्रांग बनेगा।

तनाव से मुक्ति

तुलसी की पत्तियों में भरपूर मात्रा में अडैप्टोजेन होता है, जो स्ट्रेस लेवल को कम करने में मददगार है। तुलसी की पत्तियां नर्वस सिस्टम को रिलैक्स करती हैं। इसे खाकर सोने से मन शांत होता और बेहद पॉजिटिव महसूस होता है

सिर दर्द होता है गायब

अगर आपको लगातार सिर में दर्द रहता है और इस वजह से नींद भी नहीं आती है तो अपने मुंह में पत्ते रखकर सोएं। इसमें मौजूद गुण सिर के दर्द को कम करते हैं।

ब्लड शुगर रहता है कंट्रोल में

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है उन्हें तुलसी का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे शरीर में इंसुलिन हार्मोन के उत्पादन बढ़ता है और ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

इम्यूनिटी होता है बूस्ट

तुलसी की पत्तियों में मौजूद विटामिन सी एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट है। रोजाना इसे मुंह में रखकर सोने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

कान का छेद हो गया है बड़ा ? तो बिना ऑपरेशन, बिना टांके इस तरह ईयर होल साइज को करें छोटा

कई बार रोजाना झुमके या बालियां पहनने से कुछ महिलाओं के कान के छेद बड़े होने लगते हैं। अगर आपका भी कान का छेद बड़ा हो गया है और आप सर्जरी के बिना इसे छोटा करना चाहते हैं, तो कुछ घरेलू उपाय और सावधानियां अपनाकर इसे सुधार सकते हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि गंभीर मामलों में सर्जरी एकमात्र विकल्प हो सकता है, लेकिन हल्के मामलों में इन सरल टिप्स से मदद मिल सकती है।

हल्के और छोटे ईयररिंग्स पहनें

बड़े और भारी झुमके या बालियां पहनने से कान का छेद और बढ़ सकता है। इसलिए, हल्के और छोटे ईयररिंग्स पहनें, जो कान पर दबाव न डालें और छेद को और बढ़ने से रोकें।

विटामिन ई ऑयल का इस्तेमाल

विटामिन ई ऑयल का उपयोग त्वचा की हीलिंग के लिए जाना जाता है। कान के छेद में नियमित रूप से विटामिन ई ऑयल लगाएं, जिससे त्वचा की इलास्टिसिटी बढ़ती है और छेद धीरे–धीरे सिकुड़ सकता है। रोजाना सोने से पहले कान के छेद पर हल्के हाथों से विटामिन ई ऑयल की मालिश करें।

कान के छेद को ढकने वाला पैच

बाजार में विशेष ईयरलॉब पैच उपलब्ध होते हैं जो कान के छेद को कवर करते हैं। ये पैच कान के छेद को सपोर्ट देते हैं और झुमकों के वजन को कम करने में मदद करते हैं। इसे पहनकर आप हल्के ईयररिंग्स भी पहन सकती हैं।

नीम और हल्दी का मिश्रण

नीम और हल्दी का मिश्रण एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक है जो त्वचा की मरम्मत और हीलिंग में मदद करता है। नीम की पत्तियों को पीसकर उसमें हल्दी मिलाकर कान के छेद पर लगाएं। यह छेद की हीलिंग प्रक्रिया को तेज कर सकता है।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल एक नेचुरल हीलर है जो त्वचा की मरम्मत करने में मदद करता है। एलोवेरा जेल को कान के छेद पर लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। यह छेद की त्वचा को मजबूत बनाता है और उसे सिकुड़ने में मदद करता है।

ईयर स्टिचिंग किट (डीय ईयर रिपेयर किट)

कुछ बाजारों में डीय ईयर रिपेयर किट उपलब्ध होते हैं, जिनमें छोटे–छोटे टेप्स या प्लास्टर्स होते हैं जो कान के छेद को धीरे–धीरे सिकुड़ने में मदद करते हैं। इन्हें रोजाना उपयोग करने से छेद धीरे–धीरे छोटा हो सकता है।

झुमके या बालियां कम पहनें

अगर कान का छेद बढ़ चुका है, तो कुछ समय के लिए झुमके या बालियां पहनना कम कर दें। इससे कान के छेद को खुद से ठीक होने का समय मिल सकता है। जितना हो सके कान को रिलैक्स दें और ईयररिंग्स पहनने से बचें।

पौष्टिक आहार लें

हेल्दी स्किन के लिए पोषण भी बहुत जरूरी होता है। ऐसे आहार लें जिनमें विटामिन सी, विटामिन ई, और प्रोटीन की मात्रा अधिक हो, जो त्वचा की इलास्टिसिटी बढ़ाने और हीलिंग में मदद करेंगे।

पुराने बर्तन से लेकर जले हुए बर्तनों को चमकाएं, फॉलो करे ये टिप्स

यदि आपके घर में पुरानी वस्तुओं या पुराने बर्तन पड़े है तो आप इन टिप्स के जरिए चमका सकते हैं। पुराने, दागदार, जले हुए और जिद्दी बर्तनों को संभालते समय एक बड़ी चुनौती सामने आती है। ये सख्त दाग घंटों मेहनत की मांग करते हैं, जिससे अक्सर व्यक्ति असंतुष्ट और चिड़चिड़ा हो जाता है। घंटों को काम को मिनटों में बदलने के लिए यहां कुछ आसान और प्रभावी सफाई के हैक बताने वाले हैं।

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें

जब हम सभी खाना बनाते हैं तो अक्सर बर्तन काले पड़ जाते हैं या फिर जल जाते हैं या चिपचिपे हो जाते हैं, तो आप बेकिंग सोडा के जरिए चमक वापस ला सकते हैं। सबसे पहले बर्तन को गर्म पानी से धो लें। इसके बाद प्रभावित जगह पर बेकिंग सोडा छिड़कें। 5 से 6 मिनट तक बर्तनों रखें रहने दें। इसके बाद आप बर्तन को स्पंज की मदद से पोंछकर साफ कर सकते हैं।

लिक्विड क्लोरीन का इस्तेमाल करें

सिरेमिक, कांच और प्लास्टिक के बर्तनों को प्रभावी ढंग से साफ करने के लिए यह तरीक सबसे बढ़िया है। बर्तनों को 10 मिनट तक पानी में उबालें, चमकाने के लिए उन पर सावधानी से लिक्विड क्लोरीन डालें और कुछ मिनटों के बाद उन्हें पानी से धो लें।

सिरके का प्रयोग

घर में रखें हुए पीतल के बर्तन गंदे होने लगते हैं। पीतल के बर्तनों को चमकाने के लिए सबसे बेहतर होता सिरका। प्याज के रस में सिरका मिलाकर दाग लगे बर्तनों पर लगाएं। चमचमाती चमक के लिए आप सीधा सिरका भी लगा सकते हैं और ब्रश से रगड़ सकते हैं।

कॉफी पाउडर का इस्तेमाल करना

प्लास्टिक के कंटेनरों या अन्य बर्तनों पर जमी जिद्दी गंदगी के लिए कॉफी एक प्रभावी तरीका है। दाग वाली जगह पर नमक, कॉफी और बर्फ का मिश्रण लगाएं। कॉफी की कठोर बनावट जिद्दी गंदगी को हटाने में मदद करती है। इन टिप्स के जरिए पीतल, स्टील और तांबे के बर्तनों को साफ करने, काले दाग, ग्रीस और अन्य गंदगी को तुरंत हटाने के लिए भी अत्यधिक प्रभावी हैं।

संक्षिप्त

गोदरेज प्रॉपर्टीज को मुंबई में 'गोदरेज ट्रिलॉजी' परियोजना से 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व की उम्मीद

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज को मुंबई के वर्ली में अपनी आगामी आवासीय परियोजना से 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की आय की उम्मीद है। इस 2.63 एकड़ में फैली 'गोदरेज ट्रिलॉजी' परियोजना में तीन आवासीय टावर होंगे। पहले चरण में कंपनी इस तिमाही के दौरान दो टावर पेश करेगी। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे वर्ली स्थित अपनी 'गोदरेज ट्रिलॉजी' परियोजना के लिए महाराष्ट्र रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (महारेरा) से परियोजना पंजीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त हो गया है। यह एक प्रमुख भूमि भूखंड के पुनर्विकास के लिए एक संयुक्त विकास परियोजना का हिस्सा है। कंपनी ने कहा, ''इस पूरी परियोजना की अनुमानित सकल राजस्व क्षमता 10,000 करोड़ रुपये से अधिक है।'' वर्तमान में प्रस्तावित तीन टावर में से दो के लिए रेरा की मंजूरी प्राप्त हो चुकी है। पहले चरण में करीब 11 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र शामिल है। अब अनुमोदन मिलने के बाद 'सीटर्फ' और 'सीफ्रंट' नामक दो टावर चालू तिमाही में पेश किए जाएंगे। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा कि यह परियोजना दक्षिण मुंबई में कंपनी की उपस्थिति को और मजबूत करती है। साथ ही उच्च क्षमता वाले शहरी भूखंडों के अधिग्रहण एवं विकास की रणनीति के अनुरूप है। मुंबई स्थित गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

वायदा बाजार में सोने, चांदी के भाव में भारी गिरावट

अमेरिका–चीन व्यापार समझौते को लेकर बढ़ती संभावना और मजबूत डॉलर के बीच वायदा बाजार में सोने और चांदी के भाव में सोमवार को भारी गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर आपूर्ति वाले अनुबंधों में सोने का भाव 1,546 रुपये या 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ

1,21,905 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 12,428 लॉट के लिए कारोबार हुआ। चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई। दिसंबर में आपूर्ति वाले चांदी के वायदा अनुबंधों की कीमत 1,964 रुपये या 1.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,45,506 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 20,367 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर दिसंबर में आपूर्ति वाले कॉमेक्स सोने का वायदा भाव 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,076.11 डॉलर प्रति औंस हो गया। चांदी का वायदा भाव 1.44 प्रतिशत टूटकर 47.88 डॉलर प्रति औंस रहा।

भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन 2025 का आयोजन, वैश्विक बाजार से जुड़ने का मौका

नई दिल्ली। भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) 2025 को विकसित भारत 2047 की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। यह आयोजन देश के किसानों के हितों को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) के अनुसार, यह आयोजन 30 और 31 अक्तूबर 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होगा। इसमें देशभर से करीब 5,000 किसान हिस्सा लेंगे। आईआरईएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने कहा कि बीआईआरसी 2025 में किसानों को शोधाकर्ताओं, निर्यातकों, मिल मालिकों, विदेशी

खरीदारों, स्टार्टअप्स और नीति निर्माताओं के साथ सीधे बातचीत करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। यह पहली बार होगा जब किसान वैश्विक सप्लाई चेन से इतने बड़े स्तर पर सीधे जुड़ेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि किसानों को पर्यावरण के अनुकूल खेती तकनीकों की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे धान उत्पादन में पर्यावरणीय प्रभाव कम किया जा सके। दूसरा, वे गैर–बासमती और बासमती चावल, दोनों की उच्च–मूल्य वाली किस्मों के लिए संभावित खरीदारों से मिल सकेंगे। कई राज्यों और क्षेत्रों में, किसान अभी भी पर्याप्त बाजार मांग पैदा करने के लिए संघर्ष करते हैं और अक्सर कम दामों पर बेचने को मजबूर होते हैं। बीआईआरसी 2025 में निर्यातकों के साथ सीधे बातचीत करके, वे बिचौलियों पर निर्भरता कम कर सकते हैं और अपनी फसलों के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। तीसरा, किसान नई प्रौद्योगिकियों को समझने के लिए स्टार्टअप्स से जुड़ेंगे, जो मिट्टी की स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए पैदावार बढ़ा सकती हैं। बीआईआरसी का आयोजन भारतीय चावल निर्यातक संघ (आईआईआरईएफ) की ओर से किया जा रहा है। यह देश के चावल पारिस्थितिकी तंत्र और इसके विविध वाणिज्यिक और संस्थागत हितधारकों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक राष्ट्रीय स्तर का निकाय है। इसमें देश भर के 7,500 से अधिक निर्यातक और संबद्ध हितधारक शामिल हैं।

श्रेयस अय्यर सिडनी के अस्पताल में भर्ती, फिलहाल आईसीयू में; तीसरे वनडे के दौरान लगी थी चोट

सिडनी। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर सिडनी के अस्पताल में भर्ती हो गए हैं और उन्हें फिलहाल आईसीयू में रखा गया है। श्रेयस को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान फील्डिंग करते वक्त चोट लगी थी। बताया जा रहा है कि श्रेयस को आंतरिक रक्तस्त्राव हो रहा है। श्रेयस को बाईं पसलियों में चोट लगी थी जिस उन्हें कारण कम से कम तीन हफ्ते तक मैदान से बाहर रहना पड़ सकता है, लेकिन अब लग रहा है कि उनकी मैदान पर वापसी में देरी भी हो सकती है। दरअसल, अय्यर सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलेक्स कैरी का कैच लेते समय चोटिल हो गए थे।

कैसे चोटिल हुए श्रेयस?

यह घटना तब हुई जब ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान कैरी ने हर्षित राणा की गेंद पर ऊंचा शॉट खेला। बैकवर्ड प्वॉइंट पर खड़े अय्यर ने तेजी से दौड़ लगाई और सफलतापूर्वक कैच पकड़ा लिया, लेकिन जमीन पर गिरते समय उनकी बाईं पसलियों पर जोरदार झटका लगा। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। मैच के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रेयस की हेल्थ पर जानकारी दी थी और बताया था कि इस बल्लेबाज को अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है।

फिलहाल निगरानी में रहेंगे श्रेयस

सूत्रों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, श्रेयस पिछले कुछ दिनों से आईसीयू में भर्ती हैं। रिपोर्ट आने के बाद आंतरिक रक्तस्राव का पता चला और उन्हें तुरंत भर्ती कराना पड़ा। उनके स्वास्थ्य में सुधार के आधार पर उन्हें दो से सात दिनों तक निगरानी में रखा जाएगा, क्योंकि रक्तस्राव के कारण संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए ऐसा करना आवश्यक है। ड्रेसिंग रूम में लौटने पर अय्यर के महत्वपूर्ण पैरामीटर्स में उतार–चढ़ाव के बाद बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने तत्परता दिखाई। सूत्रों ने कहा, टीम के डॉक्टर और फिजियो ने कोई जोखिम नहीं उठाया और श्रेयस को तुरंत अस्पताल ले गए। अब हालत स्थिर है, लेकिन यह जानलेवा हो सकता था। वह एक मजबूत खिलाड़ी हैं और जल्द ही ठीक हो जाएंगे।

एक सप्ताह तक अस्पताल में रह सकते हैं श्रेयस

सूत्र ने कहा, चूंकि आंतरिक रक्तस्राव हुआ है, इसलिए उन्हें निश्चित रूप से ठीक होने के लिए अधिक समय की आवश्यकता होगी और इस समय प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में श्रेयस की वापसी के लिए कोई निश्चित समयसीमा निर्धारित करना मुश्किल है। 31 वर्षीय अय्यर को भारत वापस जाने के लिए फिट घोषित किए जाने से पहले कम से कम एक सप्ताह तक सिडनी के अस्पताल में रहना होगा। श्रेयस भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं जिसे 29 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेलनी है।

सिर्फ वनडे खेल रहे हैं अय्यर

30 वर्षीय अय्यर फिलहाल सिर्फ वनडे प्रारूप में खेल रहे हैं। उन्होंने कमर की समस्या के कारण पिछले छह महीनों से टेस्ट क्रिकेट से दूरी बनाई हुई है और हाल के समय में टी20 प्रारूप में भी शामिल नहीं किए गए हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे में अय्यर ने 61 रनों की शानदार पारी खेली थी।

भारत दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका ने किया टीम का एलान, चोट से ठीक होने के बाद कप्तान बावुमा की वापसी

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए सोमवार को दक्षिण अफ्रीका टीम का एलान हो गया। कप्तान तेम्बा बावुमा पिंडली की चोट से उबरने के बाद मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। वह इस सीरीज में भारत के खिलाफ टीम का नेतृत्व करते नजर आएंगे। दो टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज 14 नवंबर से होगा। पहला मुकाबला कोलकाता में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा।

भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए मैच में खेल सकते हैं बावुमा

बावुमा हाल ही में पाकिस्तान में हुई दो मैचों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। उस सीरीज में भाग लेने वाले अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा गया है। बावुमा मैच अभ्यास की कमी को पूरा करने के लिए दो नवंबर से दक्षिण अफ्रीका ए और भारत ए के बीच बंगलूरू में होने वाले चार दिवसीय मैच में भाग ले सकते हैं। इस मैच से ऋषभ पंत भी चोट से वापसी करेंगे।

तीन स्पिनरों को मौका

दक्षिण अफ्रीका ने साइमन हार्मर, केशव महाराज और सेनुरन मुथुस्वामी के रूप में अपने तीन प्रमुख स्पिनरों को टीम में शामिल किया है जिन्होंने पाकिस्तान में टर्निंग ट्रैक पर बड़ा प्रभाव डाला था और वे भारतीय बल्लेबाजों को उनकी धरती पर परेशान कर सकते हैं। यह देखना अभी बाकी है कि भारत किस तरह की पिचें तैयार करता है क्योंकि इस महीने की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसने पूरी तरह से टर्न लेने वाली पिचों का चयन नहीं किया था। कगिसो रबाडा, ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश, मार्को यानसन और वियान मुल्डर तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

कोच ने क्या कहा?

दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने कहा, शहमने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में भाग लेने वाली टीम के अधिकतर खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। उन खिलाड़ियों ने असली जज्बा दिखाया और पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सीरीज बराबर करने के लिए कड़ी मेहनत की। हम भारत में भी इसी तरह की चुनौती की उम्मीद कर रहे हैं और उन परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ी एक बार फिर हमारे लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीमरू तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्करम, रेयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरिन, डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डी जोरजी, कॉर्बिन बॉश, वियान मुल्डर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, सेनुरन मुथुसामी, कागिसो रबाडा, साइमन हार्मर।।

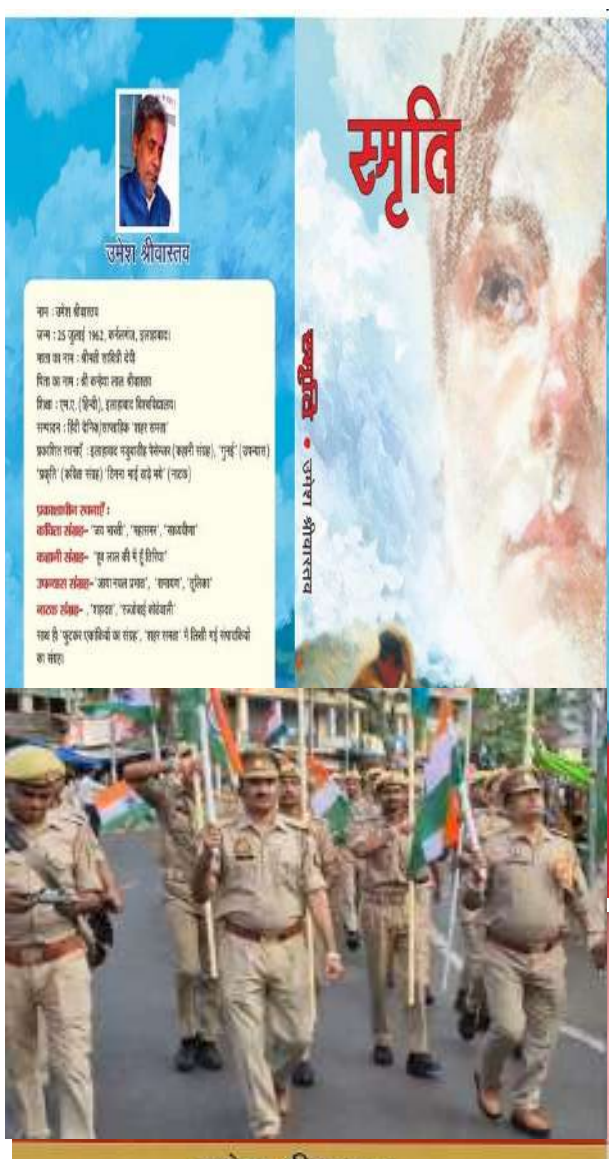

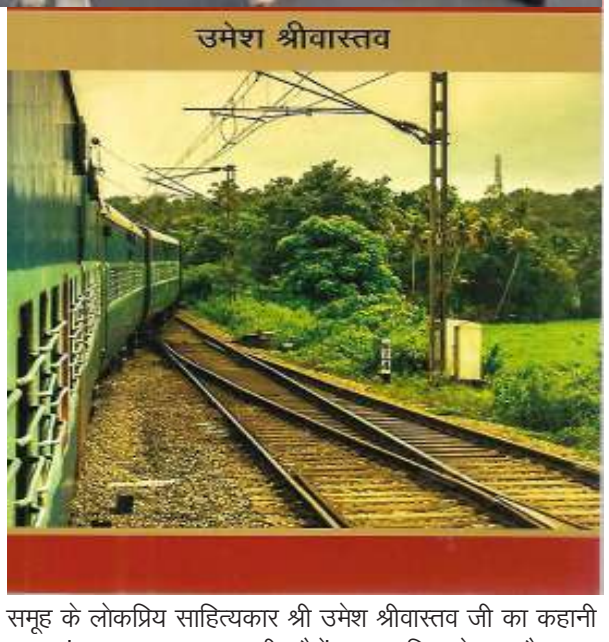

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

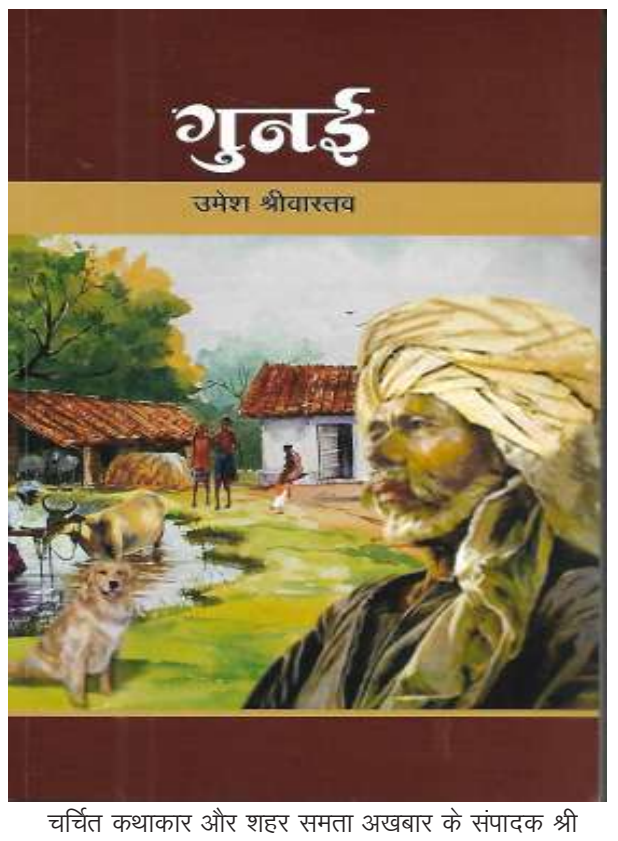

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

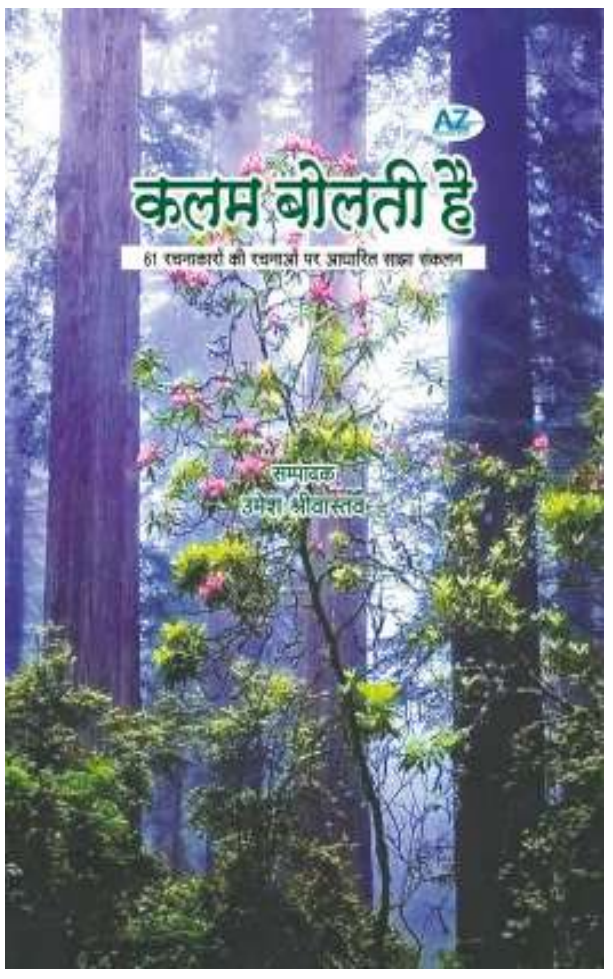

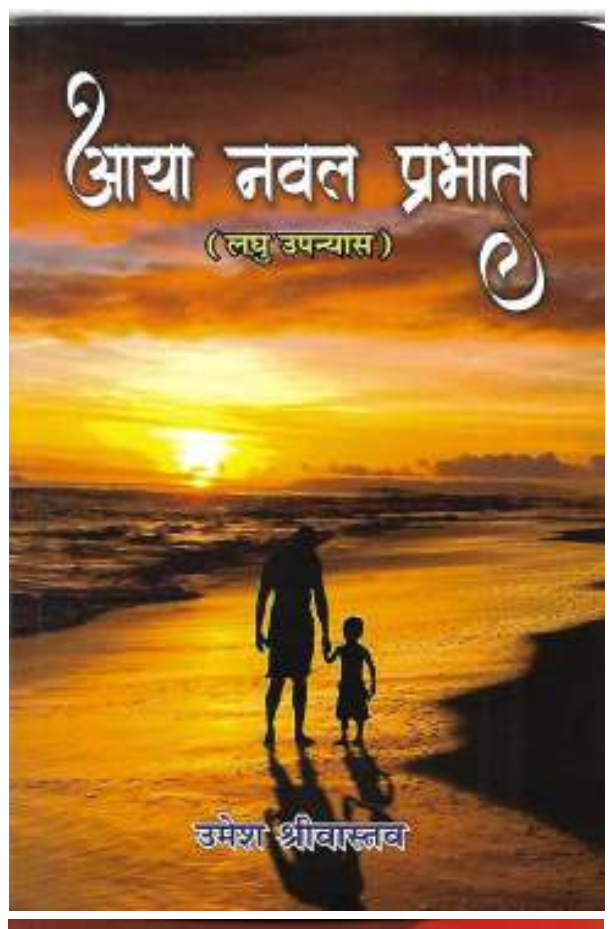

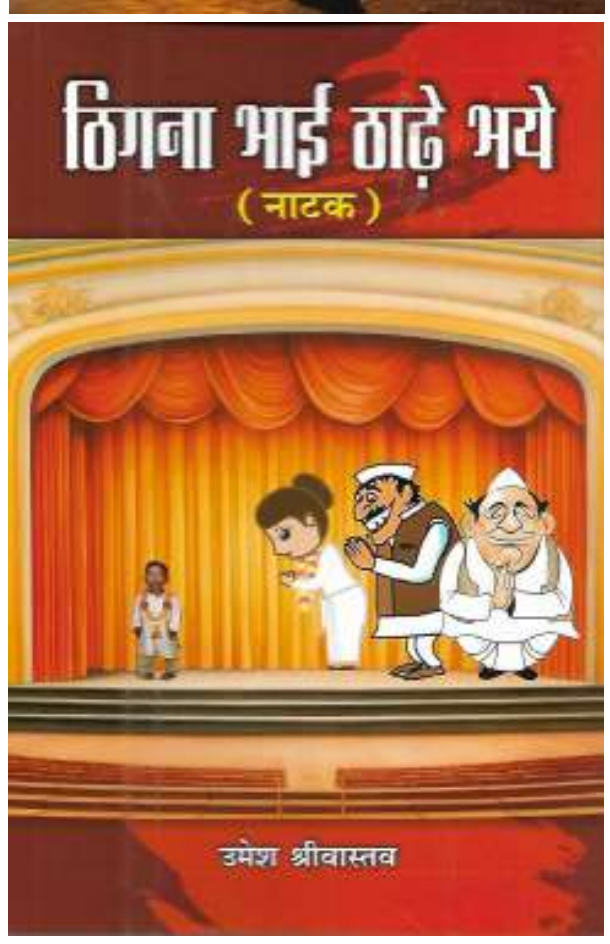

संक्षिप्त

नेपाल में अधिक ऊंचाई पर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने से चार की मौत

हिमालयी राष्ट्र नेपाल के पश्चिमी भाग में अलग–अलग घटनाओं में चार नेपाली कुलियों और पर्वतारोहियों की ऊंचाई संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। कुली दिल बहादुर गुरुंग और सामगा घाले तथा पर्वतारोही राम बहादुर थापा मगर की गंडकी प्रांत के मनांग जिले में मृत्यु हो गई। गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण

(एनडीआरआरएमए) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, गुरुंग और घाले विदेशी पर्वतारोहियों का सामान ढो रहे थे, तभी उन्हें ऊंचाई संबंधी स्वास्थ्य समस्या हो गई और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। राम बहादुर मगर एक ट्रेक से लौटने के बाद अपने होटल के कमरे में मृत पाए गए। इसी तरह की एक घटना में, एनडीआरआरएमए के अनुसार, कास्की जिले के अन्नपूर्णा बेस कैंप क्षेत्र में ट्रेकिंग के दौरान ऊंचाई संबंधी बीमारी से पीड़ित नेपाली नागरिक सूरज मान श्रेष्ठ की शनिवार को उस होटल में मृत्यु हो गई, जहां वह ठहरे हुए थे। इसी प्रकार, उत्तरी कंचनजंगा पर्वत के बेस कैंप की ट्रेकिंग से लौट रहे 31 वर्षीय एक स्पेनिश नागरिक को शनिवार को ऊंचाई संबंधी स्वास्थ्य समस्या हो गई। उन्हें ताप्लेजंग जिले के फक्तांगलुंग गांव के एक अतिथिगृह से बचाया गया, जहां वह आराम कर रहे थे। गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें उसी दिन इलाज के लिए काठमांडू पहुंचाया। कास्की जिले का अन्नपूर्णा क्षेत्र और उत्तरी नेपाल का मस्तंग जिला, दोनों ही इस समय ट्रैकिंग के लिए आने वाले हजारों देशी–विदेशी पर्यटकों से गुलजार हैं।

वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य दबाव, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिकी युद्धपोत तैनाती को बताया 'नया युद्ध'

अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस ग्रेवली को वेनेजुएला तट के पास संयुक्त अभ्यास के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो पहुँच गया। पेंटागन ने ड्रग तस्करों और वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बढ़ा दिया है। यूएसएस ग्रेवली, जिसके आगमन की घोषणा गुरुवार को त्रिनिदाद सरकार ने की थी, राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन में पहुँच गया है। यह गुरुवार तक इस छोटे से कैरेबियाई देश में रहेगा, इस दौरान अमेरिकी मरीन की एक टुकड़ी स्थानीय रक्षा बलों के साथ संयुक्त प्रशिक्षण करेगी। ये अभ्यास अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लैटिन अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले संगठनों के खिलाफ चलाए जा रहे सैन्य अभियान का हिस्सा हैं, जिसमें खास तौर पर ट्रंप के कट्टर विरोधी मादुरो को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी सेना ने कम से कम 10 नावों को उड़ा दिया है, जिनके बारे में उनका दावा है कि वे मादक पदार्थों की तस्करी कर रही थीं, जिसमें कम से कम 43 लोग मारे गए हैं। ट्रंप ने वेनेजुएला में संदिग्ध कार्टेलों पर जमीनी हमले की भी धमकी दी है। अमेरिका ने पड़ोसी देश वेनेजुएला और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर सैन्य दबाव बढ़ाने के लिए एक युद्धपोत त्रिनिदाद एवं टोबैगो में तैनात किया है। अमेरिका ने मिसाइल विध्वंसक यूएसएस ग्रेवली को कैरेबियाई देश त्रिनिदाद एवं टोबैगो भेजा है। इससे पहले वह विमान वाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड भी भेज चुका है, जो वेनेजुएला की ओर बढ़ रहा है। मादुरो ने विमान वाहक पोत के आगे बढ़ने की आलोचना करते हुए इसे अपने देश के खिलाफ एक नया युद्ध छेड़ने का अमेरिकी सरकार का प्रयास बताया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बिना सबूत पेश किए मादुरो पर संगठित अपराध गिरोह त्रेन दे अरागुआ का नेता होने का आरोप लगाया है। त्रिनिदाद एवं टोबैगो के सरकारी अधिकारियों और अमेरिका ने कहा है कि यह विशाल युद्धपोत बृहस्पतिवार तक त्रिनिदाद एवं टोबैगो में ही रहेगा ताकि दोनों देश अभ्यास कर सकें। त्रिनिदाद एवं टोबैगो के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि युद्धपोत भेजने का फैसला हाल ही में लिया गया था। त्रिनिदाद एवं टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला परसाद–बिसेसर को वेनेजुएला के जलक्षेत्र में अमेरिका की सैन्य उपस्थिति और संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करी नौकाओं पर घातक हमले किए जाने का प्रबल समर्थक माना जाता है।

मार्को रूबियो ने खोली ट्रंप की पोल, पाकिस्तान पर कर दिया बड़ा दावा!

अब तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान को एक तराजू में तोल रहे थे, समकक्ष बताने की कोशिश कर रहे थे। लगातार बराबार दिखाने की कोशिश कर रहे कि भारत और पाकिस्तान बराबर है। आईएमएफ से लोन दिलवाने में अमेरिका मदद कर रहा है। वर्ल्ड बैंक से लोन दिलवाने में भी मदद कर रहा है। साथ ही साथ हथियारों को सरही सलामत रखने के लिए भी पैसा दे रहा है। बलूचिस्तान से रेयर अर्थ मिनिरल्स की भी डील कर रहा है। अब तक भारत पाकिस्तान को लेकर डोनाल्ड ट्रंप बयानबाजी कर रहे थे। लेकिन अब उनके विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी सामने आए हैं। उनका एक बयान काफी चर्चा में है। मार्को रूबियो की तरफ से कहा गया कि भारत पाकिस्तान के रिश्ते को लेकर भारत को कोई दिक्कत नहीं है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत के खिलाफ बांग्लादेश ने रची बड़ी साजिश, पाकिस्तान को गिफ्ट किया हिंदुस्तान के हिस्से वाला मैप, मचा बवाल!

बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने एक बार फिर भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के मुद्दे पर दखल देकर कूटनीतिक बेचैनी पैदा कर दी है। इस बार, यूनुस को एक पाकिस्तानी जनरल को एक विवादास्पद नक्शा दिखाते हुए देखा गया, जिसमें असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को बांग्लादेश का हिस्सा दिखाया गया है। यह तब हुआ जब पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने सप्ताहांत में ढाका का दौरा किया और यूनुस से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच संबंधों में गर्मजोशी आ रही है, जिनके संबंध 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद से ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण

रहे हैं।

यूनुस ने पाक जनरल से मुलाकात की

यूनुस ने पाकिस्तानी जनरल के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें ट्वीट कीं। हालाँकि, यूनुस द्वारा मिर्ज़ा को आर्ट ऑफ़ ट्रायम्फ नामक एक किताब भेंट करने की तस्वीर, जिसके कवर पर बांग्लादेश का विकृत नक्शा छपा था। लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है। मानचित्र में भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों को बांग्लादेश के हिस्से के रूप में दिखाया गया है जो कट्टरपंथी इस्लामी समूहों द्वारा ग्रेटर बांग्लादेश के आह्वान के अनुरूप है। इस पोस्ट के बाद, विश्लेषकों और पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख पर भारत के संप्रभु क्षेत्र में बिना बुलाए दखल देने का आरोप लगाया। भारत के विदेश मंत्रालय ने अभी तक इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब अगस्त 2024 में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के हिंसक छात्र विरोध प्रदर्शन के बाद पतन के बाद यूनुस के कार्यभार संभालने के बाद से बांग्लादेश–पाकिस्तान संबंधों में नरमी आई है। हालाँकि, यह पहली बार नहीं है जब यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर का ज़िक्र किया हो। पिछले कुछ महीनों में, नोबेल पुरस्कार विजेता ने विदेशी कार्यक्रमों में भारत के भूमि से घिरे पूर्वोत्तर राज्यों का बार–बार ज़िक्र किया है। अप्रैल में अपनी पहली चीन यात्रा के दौरान, यूनुस ने यह दावा करके नई दिल्ली को नाराज़ कर दिया था कि बांग्लादेश इस क्षेत्र के लिए समुद्र का एकमात्र संरक्षक है, क्योंकि पूर्वोत्तर भारत भूमि से घिरा है। इसके ज़रिए उन्होंने चीन को इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने और अपनी अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने के लिए प्रोत्साहित किया। यूनुस ने चीनी अधिकारियों से कहा भारत के सात राज्य, भारत का पूर्वी भाग... एक भूमि से घिरा देश है। उनके पास समुद्र तक पहुँचने का कोई रास्ता नहीं है। हम इस पूरे क्षेत्र के महासागर के एकमात्र संरक्षक हैं। इसलिए यह एक बड़ी संभावना का द्वार खोलता है। यह चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार हो सकता है।

ट्रंप के करीबी माइली की अर्जेंटीना में ऐतिहासिक जीत

विपक्षी पेरोनिज्म का अब तक का सबसे बुरा प्रदर्शन, मुक्त बाजार सुधारों का रास्ता साफ

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिली ने रविवार को मध्यावधि चुनावों में अपनी पार्टी की निर्णायक जीत को देश के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया और राज्य के आकार को कम करने और अर्थव्यवस्था को नियंत्रणमुक्त करने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। फ्रांस 24 के अनुसार, मिली की ला लिबर्टाड अवांज़ा (स्स।) पार्टी ने कई असफलताओं से उबरते हुए कांग्रेस की सीटों के लिए 40.84 प्रतिशत वोट हासिल किए, जिससे विपक्षी दलों को काफ़ी पीछे छोड़ दिया गया, जिस पर चिंतित निवेशकों की कड़ी नज़र थी। 55 वर्षीय राष्ट्रपति ने ब्यूनस आयर्स में एक विजय रैली के दौरान समर्थकों से कहा, आज हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुँच गए हैं, आज एक महान अर्जेंटीना का निर्माण शुरू हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि देश उस दिशा में आगे बढ़ेगा जिसके बारे में उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि यह अर्जेंटीना के इतिहास की सबसे सुधारवादी कांग्रेस

होगी। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने प्रमुख जिला मध्यावधि चुनाव में रविवार को अपनी पार्टी की निर्णायक जीत के साथ ही महत्वपूर्ण विश्वास मत हासिल कर लिया, जिससे अमेरिका की ओर से अरबों डॉलर के समर्थन के साथ कठोर मुक्त बाजार नीतियों को आगे बढ़ाने की उनकी क्षमता मजबूत होने की संभावना है। स्थानीय मीडिया पर बताए जा रहे आंकड़ों के अनुसार माइली की सत्तारूढ़ 'ला लिबर्टाड अवांजा पार्टी' ने राष्ट्रीय चुनाव में 40 प्रतिशत वोट हासिल किए।

विपक्षी गठबंधन पेरोनिज्म को 31 प्रतिशत वोट

मीडिया के अनुसार 97 प्रतिशत मतों की गिनती हो चुकी है। दूसरी ओर वामपंथ की ओर झुकाव रखने वाले विपक्षी गठबंधन पेरोनिज्म को 31 प्रतिशत वोट मिले हैं। जानकारों का कहना है कि यह बीते वर्षों की तुलना में गठबंधन का सबसे खराब प्रदर्शन है। माइली ने ब्यूनस आयर्स में स्थित पार्टी मुख्यालय में कहा कि रविवार को आए नतीजों के बाद संसद के निचले सदन में उनकी पार्टी की सीट 37 से बढ़कर 101 हो गई है जबकि उच्च सदन सीनेट में ला लिबर्टाड अवांजा पार्टी के सदस्यों की संख्या में 14 सदस्यों का इजाफा हुआ है और अब कुल सदस्य 20 हो गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के प्रमुख वैचारिक सहयोगी माइली

उन्होंने कहा, "अर्जेंटीना की जनता ने पतन को पीछे छोड़ दिया और प्रगति का रास्ता चुना। उन सभी लोगों को धन्यवाद जिन्होंने अर्जेंटीना को फिर से महान बनाने के लिए स्वतंत्रत विचारों का समर्थन किया।" अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रमुख वैचारिक सहयोगी माइली का रविवार के चुनाव में बहुत कुछ दांव पर था। माइली ने दशकों के बजट घाटे और संरक्षणवाद के बाद सरकारी खर्च में कटौती की है और अर्जेंटीना की अर्थव्यवस्था को उदार बनाया है। इस चुनाव पर अमेरिकी की खास नजर थी। अमेरिका ने शायद ही अर्जेंटीना के किसी विधायी चुनाव ने कभी इतनी रुचि दिखाई हो। ट्रंप ने संकेत दिया था कि यदि माइली रविवार को चुनाव में हार जाते हैं तो वह आर्थिक संकट से जूझ रहे अर्जेंटीना को दी जाने वाली 20 अरब अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता वापस ले सकते हैं।

मलेशिया के पीएम संग नाचते–नाचते ट्रंप ने अब इस देश पर ठोक दिया 10% का टैरिफ, दुनिया हैरान!

मलेशिया की राजधानी क्वालालंपुर के एयरपोर्ट पर उतरते ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप थिरकने लगे। इसे ट्रंप का फेमस डांस स्टेप बताया जाता है। अक्सर ट्रंप को इस तरह थिरकते देखा गया है। 23 घंटे की लंबी फ्लाइट के बाद 79 साल के ट्रंप तरो ताजा नजर आए। लेकिन इसी दौरान एक देश के लिए अमेरिका से बुरी खबर भी आई। कनाडा पर ट्रंप ने 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ का ऐलान कर दिया। ओंटारियो के 'प्रीमियर' डग फोर्ड ने कहा था कि वह सप्ताहांत के बाद इस विज्ञापन को हटा देंगे और यह विज्ञापन शुक्रवार रात को वर्ल्ड सीरीज के पहले मैच

के दौरान प्रसारित किया गया था। दरअसल, हुआ ये कि कनाडा में एक विज्ञापन चला जो ट्रंप को पसंद नहीं आया। उन्होंने सिर्फ एक विज्ञापन के चलते कनाडा पर 10 : अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया। इस विज्ञापन में पूर्व राष्ट्रपति और रिपबल्किन आइकन रोनाल्ड रीगन का एक वीडियो क्लिप दिखाया गया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि टैरिफ, व्यापार और आर्थिक युद्धों का कारण बनते हैं। ट्रंप ने इसे गलत और भ्रामक बताया। इसके जवाब में बड़ा कदम उठाते हुए कनाडा पर 10 : अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया। ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए लिखा कि शत्रुतापूर्ण कृत्य की वजह से कनाडा पर मौजूदा दरों से 10 : का टैरिफ बढ़ा रहा हूं। उन्होंने ये घोषणा ऐसे वक्त में की है जब कनाडा के साथ चल रही व्यापार वार्ताओं को भी इसी विज्ञापन की वजह से रोक दिया था। कई कनाडाई उत्पादों पर 35 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है जबकि इस्पात और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है। ऊर्जा उत्पादों पर 10 प्रतिशत शुल्क है जबकि अधिकतर वस्तुएं अमेरिका–कनाडा–मेक्सिको समझौते के अंतर्गत आती हैं और शुल्क से मुक्त हैं। ट्रंप और कार्नी दोनों मलेशिया में दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे लेकिन ट्रंप ने उनके साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों से कहा कि उनका वहां कार्नी से मिलने का कोई कार्यक्रम नहीं है। ट्रंप ने कहा कि दो बार राष्ट्रपति रहे रीगन के रुख को विज्ञापन में गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

पाकिस्तान के मन में बैठ गया है भारत का डर, कराची और लाहौर के उड़ान मार्गों में बदलाव किया गया

पाकिस्तान ने एक बार फिर अपने हवाई क्षेत्र में तथाकथित "ऑपरेशनल बदलाव" का एलान किया है। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ने 28 अक्टूबर 2025 से कराची और लाहौर क्षेत्र के उड़ान मार्गों में संशोधन की घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम "हवाई सुरक्षा और प्रभावी प्रबंधन" के लिए है। लेकिन सवाल यह है कि जब यह परिवर्तन केवल एक दिन के लिए, यानी 29 अक्टूबर सुबह 9 बजे तक लागू रहना है, तो क्या यह वास्तव में मात्र तकनीकी बदलाव है या किसी गहरे सैन्य भय का परिणाम? सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय भारत की "ज्तप–ैमतपमे" संयुक्त सैन्य कवायद के मद्देनज़र लिया गया है, जिसमें थल, जल और

वायु सेना का संयुक्त अभ्यास होना है। पाकिस्तान को यह आशंका है कि भारत इस दौरान नया हथियार परीक्षण या रणनीतिक अभ्यास कर सकता है। यानी "हवाई सुरक्षा" के नाम पर पाकिस्तान असल में अपनी सैन्य असुरक्षा को ढकने की कोशिश कर रहा है। हम आपको बता दें कि PAA द्वारा जारी NOTAM (Notice to Airmen) में कहा गया है कि नया रूट 28 अक्टूबर सुबह 5:01 बजे (PKT) से लागू होगा और 29 अक्टूबर सुबह 9रू00 बजे तक प्रभावी रहेगा। हालांकि पाकिस्तान ने इसे "सामान्य परिचालन कारणों" से जोड़ने की कोशिश की, लेकिन भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सामरिक विश्लेषक इसे भारत के प्रति डर और संवेदनशीलता से जोड़कर देख रहे हैं। पिछले कुछ महीनों से दोनों देशों के बीच हवाई मार्ग विवाद बढ़ा है। मई 2025 में जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद की सीमा–पार तनाव के चलते पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को कई बार बंद किया। भारत ने भी इसका जवाब समान प्रतिबंधों के रूप में दिया। देखा जाये तो पाकिस्तान का ताजा निर्णय तकनीकी प्रतीत होते हुए भी सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत देता है। भारत के सैन्य अभ्यासों और हथियार परीक्षणों के सामने पाकिस्तान की यह त्वरित प्रतिक्रिया बताती है कि इस्लामाबाद को भारत की सैन्य गतिविधियाँ केवल निगरानी का विषय नहीं लगतीं बल्कि संभावित खतरा प्रतीत होती हैं। यह वही पाकिस्तान है जिसने कभी अपने "रणनीतिक गहराई" की नीति के तहत भारत को लगातार चुनौती दी थी। आज वही पाकिस्तान भारत के अभ्यासों से पहले अपने आकाशीय मार्ग बदलने को मजबूर है। हम आपको बता दें कि भारत की "Tri-Series" कवायद तीनों सेनाओं की संयुक्त तैयारी, समन्वय और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन है। पिछले एक दशक में भारत ने अपने रक्षा तंत्र को तीन स्तरों पर सशक्त किया है। पहला– न्यूक्लियर ट्रायड (परमाणु हमले की तीनों माध्यमों से क्षमता), दूसरा– सटीक मिसाइल डिलीवरी सिस्टम (Precision Strike Capability) और तीसरा– साइबर एवं इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर में उल्लेखनीय निवेश। इस बढ़ती क्षमता ने पाकिस्तान की पारंपरिक "समान शक्ति" वाली सोच को तोड़ दिया है। अब इस्लामाबाद को यह एहसास है कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में भारत की प्रथम प्रतिक्रिया क्षमता निर्णायक साबित हो सकती है। इस भय ने पाकिस्तान को "सुरक्षा सावधानी" के बहाने अपनी सीमाओं में एयरस्पेस डिफेंस की नयी रणनीति अपनाने पर मजबूर कर दिया है। देखा जाये तो पाकिस्तान की यह असुरक्षा केवल सैन्य नहीं, बल्कि कूटनीतिक अलगाव का परिणाम भी है। अमेरिका, सऊदी अरब और यहाँ तक कि चीन जो कभी पाकिस्तान की रीढ़ माने जाते थे, अब भारत के साथ संतुलित संबंध नीति अपना चुके हैं। भारत के साथ बढ़ते आर्थिक, सामरिक और तकनीकी संबंधों ने पाकिस्तान की "सुरक्षा परिकल्पना" को कमजोर कर दिया है। ऐसे में इस्लामाबाद की हर प्रतिक्रिया अब "पूर्व–सावधानी" नहीं, बल्कि "पूर्व–भय" बन चुकी है। यह स्थिति उस देश की है जो अब भारत के हर सैन्य कदम को खतरे के रूप में देखता है, जबकि भारत केवल अपनी क्षमता के प्रदर्शन में जुटा है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने इस तरह की घोषणा की हो। 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए चार महीने तक अपना हवाई क्षेत्र बंद रखा था, जिससे उसके अपने एयरलाइंस और अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ। इसमें कोई दो राय नहीं कि ऐसे निर्णय किसी वास्तविक खतरे से नहीं, बल्कि राजनीतिक मनोविज्ञान से प्रेरित होते हैंकृ जब एक राष्ट्र अपनी असुरक्षा को छिपाने के लिए सुरक्षा का दिखावा करता है। इसे ही "एयरस्पेस डिप्लोमेसी" कहा जा सकता हैकृ जो सुरक्षा नहीं, बल्कि भय की घोषणा है। उधर, भारत के लिए यह स्थिति आत्मसंतोष का कारण नहीं, बल्कि रणनीतिक धैर्य की परीक्षा है। पाकिस्तान का यह कदम दर्शाता है कि भारत की सैन्य तैयारियों ने उसके मनोबल को प्रभावित किया है। भारत की सच्ची शक्ति केवल उसके हथियारों में नहीं, बल्कि उसकी कूटनीतिक स्थिरता और मनोवैज्ञानिक दृढ़ता में है। जब एक प्रतिद्वंद्वी भय से मार्ग बदलता है, तब उसे हराने की आवश्यकता नहीं रहती क्योंकि युद्ध उसके मन में पहले ही हार चुका होता है। पाकिस्तान का एयरस्पेस परिवर्तन तकनीकी हो या नहीं, लेकिन यह निर्णय भारत की सैन्य और कूटनीतिक प्रभावशीलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

अगले साल की शुरुआत में हो सकती है क्वाड बैठक, पीएम मोदी होंगे मेजबान

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने उम्मीद जताई है कि क्वाड देशों की अगली बैठक अगले साल की पहली तिमाही में हो सकती है। उन्होंने चार देशों– भारत, अमेरिका, जापान के साथ ऑस्ट्रेलिया के गठजोड़ वाले इस समूह को एक अहम मंच करार दिया। गौरतलब है कि भारत में इसी साल क्वाड सम्मेलन होना था। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये और जापान में जारी सियासी उठापटक के चलते अब इस बैठक की उम्मीद कम ही है।